छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 13 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 31 दिसम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कार चलाने पर मां लगाई फटकार, किशोर फांसी लगाकर किया खुदकुशी

होनहार एथलीट की मौत से जरही नगर में शोक का माहौल, घटना से सभी स्तब्ध

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। सूरजपुर जिले के नगर पंचायत जरही अंतर्गत शक्तिनगर सी-टाइप क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोर द्वारा आत्महत्या की हृदयविदारक घटना ने पूरे नगर को गहरे शोक में डाल दिया है। यह घटना इसलिए भी अधिक पीड़ादायक है क्योंकि मृत किशोर न सिर्फ 11वीं कक्षा का छात्र था, बल्कि दौड़ में सक्रिय यह किशोर एथलीट के क्षेत्र में एक उभरता हुआ स्पोर्ट्समैन भी था, जिससे उसके उज्ज्वल भविष्य की उम्मीदें जुड़ी हुई थी।

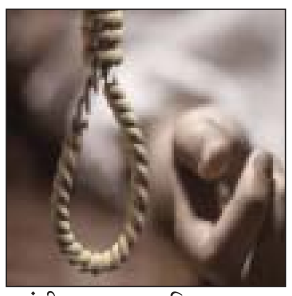

जानकारी के अनुसार शक्तिनगर निवासी रंजीत जायसवाल का पुत्र सोमवार को घर के भीतर फांसी पर लटका मिला। घटना के समय उसके पिता बिलासपुर गए थे, घर में मां और छोटी बहन मौजूद थीं। सुबह रिश्तेदार कार से आए थे। सामान रखने के दौरान किशोर कुछ देर के लिए कार लेकर चला गया। लौटने पर मां ने यह कहते हुए उसे फटकार लगाई कि वह अभी नाबालिग है, अकेले कार चलाना ठीक नहीं है, साथ ही पिता से शिकायत करने की बात कही। इसके बाद किशोर को नहाने भेजा और नाश्ते के लिए बुलाया। इधर मां जब नहाने के लिए गई तो किशोर अपने कमरे में कपड़ा सुखाने वाली रस्सी के सहारे फांसी पर झूल गया। छोटी बहन दरवाजा बंद देखकर शोर मचाई। दरवाजा तोड़कर स्वजन अंदर प्रवेश किए, तो वह फांसी पर झूल रहा था। स्वजन तत्काल उसे फांसी से उतारकर अस्पताल ले गए, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भटगांव पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है और अग्रिम जांच कर रही है।

स्थानीय लोगों और परिचितों के अनुसार किशोर विभिन्न खेल गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेता था। अनुशासित जीवन, फिटनेस और खेलों के प्रति उसकी रुचि के कारण उसे एक अच्छा स्पोर्ट्समैन माना जाता था। लोग मानते हैं कि यदि सही समय पर भावनात्मक सहारा और संवाद मिल पाता, तो उसका भविष्य खेल के क्षेत्र में उज्ज्वल हो सकता था। इस घटना से सामने आ रहा है कि आज के किशोर रील और रियल लाइफ के बीच अंतर नहीं समझ पा रहे हैं। सोशल मीडिया और रील संस्कृति में भावनाओं को नाटकीय रूप में दिखाया जाता है, जहां हर समस्या का त्वरित और गलत समाधान नजर आता है। वहीं वास्तविक जीवन में छोटी सी डांट या असहमति को भी किशोर अपनी अस्मिता और आत्मसम्मान से जोड़ लेते हैं।

घटना समाज के लिए चेतावनी

यह घटना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में सक्रिय, अनुशासित जीवन जीने वाले बच्चे भी मानसिक रूप से कमजोर क्षणों में टूट सकते हैं। जरूरत है कि माता-पिता, शिक्षक और समाज बच्चों से संवाद बढ़ाएं, और भावनात्मक सहारा दें। एक होनहार खिलाड़ी का यूं चले जाना पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

नेत्र सहायक ने बैजू राम पहाड़ी कोरवा को दृष्टिहीनता के अभिशाप से किया मुक्त

विकलांगता के साथ दोनों आंखों में मोतियाबिंद होने से देखने में था अक्षम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में लगातार चल रहे मोतियाबिंद मुक्त कार्यक्रम से पीड़ितों को लाभ मिल रहा है। जीवन में किसी दृष्टिहीन मानव की दृष्टि मिले, इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाते हुए दृष्टिहीन होने की कगार में पहुंचे मोतियाबिंद से पीड़ितों की सुध लेने में लगे हैं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ में पदस्थ नेत्र सहायक अधिकारी दुर्गेश त्रिपाठी। इनके सेवाभावी कार्यों की बदौलत पहाड़ी अंचलों में जीवनयापन करने वाले लोगों तक नेत्र व्याधि से ग्रसित लोगों को राहत मिल रही है। गांव के अंतिम व्यक्ति, जो दृष्टिहीन हैं उनके आंखों को रोशनी देने का प्रयास इनके द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

हाल में ही बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम धारानगर से विशेष पिछड़ी जनजाति, पहाड़ी कोरवा बैजू राम नेत्र सहायक अधिकारी दुर्गेश त्रिपाठी के संपर्क में आया, जो पूर्व से विकलांग है, यही नहीं उसकी दोनों आंख में मोतियाबिंद होने से कुछ भी दिखाई नहीं देता था। ऐसे में विकलांगता के साथ दृष्टिहीनता का अभिशाप उसके जीवन को और भी कष्टकर बना दिया था। वह अपना दैनिक कार्य बहुत मुश्किल से कर पाता था। गांव भ्रमण के दौरान नेत्र सहायक अधिकारी दुर्गेश त्रिपाठी मुलाकात के दौरान उसे कई बार ऑपरेशन के लिए प्रेरित किए। इसके बाद वह जांच, इलाज कराने के लिए तैयार हो गया। सफल ऑपरेशन होने पर बैजू राम पहाड़ी कोरवा अपनी आंखों से सब कुछ देख पाने में सक्षम है, और अपना हर काम आसानी से करते हुए परिवार के साथ स्वस्थ्य जीवन व्यतीत कर रहा है। सफल ऑपरेशन से हर्षित पहाड़ी कोरवा ने आंखों में मिली नई रोशनी के लिए नेत्र सहायक का हाथ जोड़कर आभार व्यक्त किया।

गरीब पंडित हूं, लेकिन स्वाभिमानी हूं, बिना बुलाए कहीं नहीं जाता-बालकृष्ण पाठक

कांग्रेस की सत्ता से विदाई के बाद पूर्व मुख्यमंत्री का प्रथम सरगुजा प्रवास, सिंहदेव समर्थकों की बनी रही दूरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन में सत्ता से कांग्रेस के विदा होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सोमवार को प्रथम सरगुजा प्रवास हुआ, वे सड़क मार्ग से उदयपुर और लखनपुर होते हुए देर शाम अंबिकापुर पहुंचे थे। सूरजपुर में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने के पहले उनका अंबिकापुर प्रवास हुआ और रात्रि विश्राम किए। इस बीच वे नगर पालिक निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के निवास में पहुंचे, जो सरगुजा राजपरिवार और पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव के काफी करीबी हैं। इन सबके बीच पूर्व उप मुख्यमंत्री से जुड़े कांग्रेस समर्थकों की बनी दूरी सुर्खियों में रही, इसे गुटबाजी के नजरिए से भी देखा जा रहा है। बात करें टी.एस. सिंहदेव की तो इन दिनों वे सरगुजा में नहीं हैं।

इन सबके बीच कांग्रेस के सरगुजा जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और सिंहदेव समर्थकों के द्वारा स्वागत, मुलाकात नहीं करने के परिप्रेक्ष्य में बड़ी शालीनता से मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि भूपेश बघेल पूर्व मुख्यमंत्री ही नहीं, हमारे वरिष्ठ नेता हैं, पंजाब के प्रभारी हैं, राष्ट्रीय महासचिव हैं। वे यहां व्यक्तिगत कार्यक्रम में आए थे। उनके प्रोटोकाल में कांग्रेस का कहीं उल्लेख नहीं है। किसी के यहां शादी वगैरह में आए हों, या निमंत्रण होगा, उसमें नहीं पहुंच पाए होंगे, तो अपना उपस्थिति दर्ज कराने आए थे। उनका कार्यक्रम सूरजपुर में है, वहां कांग्रेस पार्टी के लोगों को खबर होगा। यहां जिला, ब्लाक कांग्रेस के किसी से मुलाकात के लिए उनका समय नहीं रखा गया था, उन्हें जहां जाना था गए। बालकृष्ण पाठक ने पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के बयान के परिप्रेक्ष्य में कहा इसमें वे कोई कमेंट नहीं करेंगे, हम लोग एक हैं, कांग्रेस एक है। भूपेश से मुलाकात नहीं करने के सवाल पर बालकृष्ण पाठक ने कहा बिना बुलाए तो मैं वहां भी नहीं जाऊंगा... शंकरघाट में। टीएस बाबा नहीं बुलाते हैं, तो नहीं जाता हूं। मैं गरीब पंडित हूं, लेकिन स्वाभिमानी हूं, बिना बुलाए किसी के यहां नहीं जाता हूं।

बता दें कि कांग्रेस शासनकाल में मुख्यमंत्री पद के ढाई-ढाई साल के फार्मूले को लेकर भूपेश बघेल और टी.एस. सिंहदेव के बीच अनबन की चर्चाएं लगातार सामने आती रही, लेकिन सार्वजनिक मंच पर दोनों के बीच टकराव देखने को नहीं मिला। इन्हें जय-वीरू की जोड़ी संबांधित करने में भी लोग पीछे नहीं रहे। पूर्व मुख्यमंत्री के सरगुजा में प्रस्तावित दौरे को लेकर अमरजीत भगत लगातार जिला कांग्रेस कार्यालय जाकर वरिष्ठ कांग्रेसजनों से मुलाकात करते रहे, लेकिन इसका कोई प्रतिफल भूपेश बघेल के अंबिकापुर आगमन दौरान देखने को नहीं मिला। उदयपुर और लखनपुर क्षेत्र, जहां सिंहदेव समर्थकों का वर्चस्व है, वहां भी इनके स्वागत के लिए कांग्रेस नेता या कार्यकर्ता के सामने नहीं आने की बातें सामने आ रही हैं। यही स्थिति अंबिकापुर में भी देखने को मिली, हालांकि यह प्रोटोकाल का भी हिस्सा हो सकता है। बहरहाल इन सबके बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने समर्थकों के घर में जाकर रात्रि भोजन और सुबह नाश्ता किए, इसके बाद सूरजपुर में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने रवाना हुए। भूपेश बघेल मंगलवार को सुबह दानिश रफीक के घर पहुंचे, यहां भी सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात किया और अपनी बातों को उनके समक्ष रखा।

भूपेश-टीएस को मैं एक मानता हूं

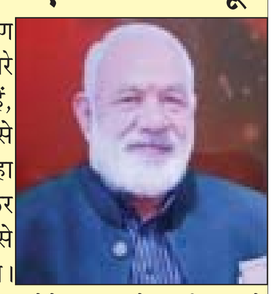

कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि भूपेश बघेल हमारे वरिष्ठ नेता हैं, राष्ट्रीय महासचिव हैं, इतने बड़े नेता से बिना बुलाए मैं कैसे मिलने चले जाऊंगा। उन्होंने कहा यहां आते तो पलक-पांवड़े बिछाकर उनका स्वागत करता। फूल-माला से स्वागत करता, उनका मार्गदर्शन लेता। उनके मार्गदर्शन का आकांक्षी हूं मैं। उन्होंने कहा भूपेश-टीएस को मैं एक मानता हूं। दोनों को करीब से देखा हूं और जानता हूं।

पारिवारिक कार्यक्रम में आया था-बघेल

छत्तीसगढ़ सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री का पंचवर्षीय कार्यकाल बिताए भूपेश बघेल से पत्रकारों ने जब कांग्रेस जिला अध्यक्ष सहित सिंहदेव गुट के लोगों के दिखाई नहीं देने को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीति या संगठन का कार्यक्रम नहीं है, वे यहां पारिवारिक कार्यक्रम में मिलने के लिए पहुंचे थे।

पीसीसी चीफ भी नहीं पहुंचे अंबिकापुर

पीसीसी चीफ दीपक बैज भी अंबिकापुर नहीं पहुंचे, जबकि उनके लिए उसी विश्रामगृह में कमरा आरक्षित किया गया था, जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रात्रि विश्राम किया। इन सबके बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भोजन, पूर्व खाद्य आयोग के अध्यक्ष गुरुप्रीत सिंह बाबरा 'राजू' के निवास पर किया। सत्ता जाने के बाद पहली बार पूर्व मुख्यमंत्री के आगमन पर उम्मीद थी कि कांग्रेस के नेताओं की एकजुटता सामने आएगी, लेकिन इसे लोग गुटबाजी की संज्ञा दे रहे हैं।

फासिस्टवादी ताकत से निपटने मिलकर रहना जरूरी-भगत

पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने गुटबाजी के सवाल पर कहा कि, कांग्रेस के नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सर्किट हॉउस में आकर मिले। दानिश रफीक और शफी अहमद के यहां भी पार्टी के कार्यकर्ताओं की मुलाकात हुई है। गुटबाजी जैसी कोई बात नहीं है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष के नजर नहीं आने पर उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। सभी मिलकर रहेंगे तभी फासिस्टवादी ताकत से निपट पाएंगे, और भारतीय जनता पार्टी को चुनाव में हरा पाएंगे।

ई-रिक्शा लेकर भागा, संगम चौक में पकड़ाया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा नजर हटते ही पार हो गया। खोजबीन के दौरान ई-रिक्शा लेकर जाते एक व्यक्ति नजर आया, जिसे पकड़ने के बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई है।

जानकारी के मुताबिक ठाकुरपुर निवासी वीरेन्द्र सिंह पिता मलखान सिंह 55 वर्ष, अपनी पत्नी माधवी सिंह के नाम पर पंजीकृत ई-रिक्शा को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पास आया था। मंगलवार को दोपहर करीब 12.30 बजे वह रिक्शा में चाबी लगा छोड़कर पास में ही कुछ काम से गया था, इधर पलक झपकने की स्थिति बनी और ई-रिक्शा गायब हो गया। ई-रिक्शा के बारे में पूछताछ करने पर सामने आया कि मणिपुर स्कूल के सामने गली की ओर एक व्यक्ति ई-रिक्शा लेकर निकला है। इसकी जानकारी वीरेन्द्र सिंह ने अस्पताल के पुलिस सहायता केन्द्र और अपने परिवार के सदस्यों को दी और दूसरे ऑटो वाहन में सवार होकर ई-रिक्शा की खोजबीन में निकला। इस दौरान संगम चौक के पास एक व्यक्ति उसका ई-रिक्शा लेकर जाते नजर आया। ई-रिक्शा के स्वामी ने इसकी जानकारी पुलिस सहायता केन्द्र में दी है। पुलिस मामले में अग्रिम जांच, पड़ताल कर रही है।

सरगुजा के रॉक बैंड टीम 'इकतारा द फ्यूजन बैंड' को प्रदेश में मिला दूसरा स्थान

छत्तीसगढ़ राज्य युवा उत्सव-2025 में सरगुजा का दबदबा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा आयोजित युवा उत्सव-2025 अंतर्गत राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र, के द्वारा बहतराई, बिलासपुर में आयोजित की गई प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिले से शामिल हुए प्रतिभागियों ने अलग-अलग विधाओं में अपनी प्रस्तुती दी। इसी क्रम में सरगुजा से रॉक बैंड टीम, 'इकतारा द फ्यूजन बैंड ने बलरामपुर जिले का नेतृत्व कर राज्य में लगातार दूसरी बार अपना नाम द्वितीय स्थान पर संरक्षित कर शहर एवं जिले को गौरवानवित किया।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रॉक बैंड विधा में लगभग 33 टीमों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें रॉक बैंड टीम इकतारा फ्यूजन बैंड के टीम ने बलरामपुर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए बिलासपुर में हुए प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। टीम का नेतृत्व दीपक कुमार वासुले ने किया। टीम में राहुल विश्वकर्मा, दिव्यम दास, राहुल मंडल, शौर्य सर्राफ, राहुल गुप्ता, अंकुश दास ने भाग लेकर यह स्थान प्राप्त किया। सभी ने अपनी इस सफलता का श्रेय जिला प्रशासन एवं खेल व युवा कल्याण विभाग को दिया है ।

चाकलेट समझकर चूहा मार दवा खाया बच्चा, इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। घर में खेल रहा तीन वर्षीय मासूम चूहा मार दवा को चाकलेट समझकर चबाने लगा। स्वजन की नजर बच्चे पर पड़ी और वे जहरीले दवा को मुंह से निकाले, और मुंह धुलाकर तबियत सामान्य लगने पर उसे तत्काल अस्पताल नहीं ले गए। देर रात तबियत बिगड़ने पर बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे, इलाज के बीच 5 दिन के अंतराल में उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम घूचापुर निवासी अजय सिंह का 3 वर्षीय पुत्र गितांशु सिंह 24 दिसम्बर की शाम को घर में खेल रहा था, इस दौरान चूहा मारने के लिए रखे दवा को चाकलेट समझकर मुंह में डाल लिया। बच्चे को कुछ खाते देखकर स्वजर पहुंचे और मुंह से चूहा मार दवा को निकाले। इस बीच बच्चे की स्थिति सामान्य थी, इसलिए वे बच्चे को फौरन अस्पताल नहीं ले गए। देर रात 11 बजे जब बच्चा उल्टी करने लगा, तो वे उसे उदयपुर स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे और चिकित्सक को चूहा मार दवा मुंह में लेने की जानकारी दी। हालांकि बच्चा उल्टी करने के बाद सामान्य प्रतीत हो रहा था, ऐसे में चिकित्सक ने आवश्यक परामर्श के बाद उसे घर ले जाने और अगले दिन अस्पताल लाने के लिए कहा। 25 दिसम्बर को जांच, उपचार के बाद चिकित्सक ने बच्चे को भर्ती कर लिया, और बेहतर उपचार के लिए अगले दिन रिफर कर दिया था। 29 दिसम्बर को शाम करीब 7.30 बजे इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। मासूम की मौत से स्वजन सदमे में हैं, इनका रो-रोकर बुरा हाल है।

134 बोरी अवैध धान किया गया जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी देवेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत 24 बोरी अवैध धान जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम कोदौरा में अवैध धान परिवहन की सूचना मिलने पर मौके में पहुंच कर 24 बोरी अवैध धान सहित 1 ट्रैक्टर जप्त कर मण्डी अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए जब्त धान को चौकी डौरा को सुपुर्द किय गया। इसी प्रकार ग्राम कोटीडीह में कृषक प्रदीप गुप्ता के घर में 110 बोरी अवैध धान भण्डारित करके रखा गया था जिसे जब्त किया गया। इस दौरान तहसीलदार नरेन्द्र कुमार कवर, श्रीमती कावेरी मुखर्जी सहित संयुक्त टीम मौजूद रही। गौरतलब है कि जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा अवैध धान परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पदीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर पटवारी निलंबित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकासखण्ड रामचन्द्रपुर अंतर्गत तहसील रामचन्द्रपुर के पटवारी विवेक शुभम वैभव के द्वारा खरीफ वर्ष 2025-26 में फसल गिरदावरी कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरता गया है, जो की छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 (1)(2)(3) के विपरित है। पटवारी विवेक शुभम वैभव को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के उपनियम 1 (क) के तहत कलेक्टर के द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में विवेक शुभम वैभव का मुख्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख शाखा) नियत किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

समय-सीमा की बैठक संपन्न

★ जनहितैषी योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की हुई गहन समीक्षा ★ अवैध धान पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में धान खरीदी, प्रधानमंत्री आवास, स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया, श्री अभिषेक गुप्ता, सर्व अनुविभागीय अधिकारी एवं विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

पारदर्शी एवं व्यवस्थित धान खरीदी करने नियमित मॉनिटरिंग

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने जिले में समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने धान उपार्जन की प्रगति, धान उठाव की स्थिति, बारदाना की उपलब्धता सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ बेहतर तरीके से निर्वहन करें।

कलेक्टर श्री कटारा ने अवैध धान की आवक पर सतत निगरानी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि अंतर्राज्यीय सीमाओं पर 24 घंटे कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी वाहनों की सघन जांच करने तथा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न पाए जाने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। साथ ही अवैध रूप से धान खपाने वाले कोचियों एवं बिचौलियों पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में काटे गए डीओ एवं उपार्जन केंद्रों से धान उठाव की व्यवस्था को समयबद्ध एवं सुचारू रूप से करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि खरीदी प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से हो इसके लिए अधिकारी नियमित रूप से धान खरीदी केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग करें। ताकि जिले में धान खरीदी का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके।

लक्ष्य अनुरूप प्रगति लाने पीएम आवास योजना का करें प्रभावी क्रियान्वयन

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की विकासखंडवार समीक्षा करते हुए योजना की साप्ताहिक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने आवास निर्माण की प्रगति, स्वीकृत आवासों की स्थिति एवं पूर्णता की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को प्रगति लाने निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की भी प्रगति की जानकारी लेते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास का लाभ मिलना सुनिश्चित करे। कलेक्टर श्री कटारा ने संबंधित अधिकारियों को बेहतर क्रियान्वयन हेतु नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर जरूरतमंद को मिल सके। इसके लिए अधिकारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें।

पहाड़ी कोरवा परिवारों को प्राथमिकता से लाभान्वित करने के निर्देश

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान उन्होंने मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से किए जा रहे स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा परिवारों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कटारा ने चिरायु योजना की भी समीक्षा करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकासखण्डवार आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन कार्ड निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और मिशन मोड में कार्य करते हुए पहाड़ी कोरवा परिवारों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने मौसम को देखते हुए ठंड के दौरान अलाव से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अलाव जलाते समय आवश्यक सावधानियां अवश्य बरतें, ताकि आगजनी एवं अन्य दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने पोषण पुनर्वास केंद्र के संचालन की जानकारी लेते हुए इसके बेहतर एवं प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनआरसी में भर्ती कुपोषित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण उपचार, पोषण आहार एवं नियमित स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करें। उन्होंने एनआरसी से डिस्चार्ज के पश्चात बच्चों की नियमित फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बाल विवाह रोकथाम के लिए सतत निगरानी पर जोर

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने बाल विवाह की रोकथाम को लेकर किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा कर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा है, जिस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सतत निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संभावित बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने जनजागरूकता पर जोर देते हुए कहा कि प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए जागरूक करें।

पूर्व मुख्यमंत्री का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से किया स्वागत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कोयलांचल समेत आसपास इलाके में आज जगह जगह कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। गौरतलब है कि मंगलवार को एआईसीसी के महासचिव व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कालीघाट में यूकां भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार, सिलफिली में कंवलबिहारी सिंह टेकाम व रूपदेव कुशवाहा, पार्वतीपुर में पूर्व सरपंच संतलाल, जयनगर में वेद प्रकाश मिश्र व मो.शमीम पलिहा, बिश्रामपुर में पार्षद संजीत यादव, टोल प्लाजा के पास अभिषेक श्रीवास्तव के नेतृत्व में भव्य आतिशबाजी व शैला सुगा से कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, कांग्रेसी नेता दानिश रफीक व अन्य भी मौजूद रहे।

बीड़ीसी की पहल पर करसू स्कूल प्रांगण में हुआ नलकूप खनन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला करसू के प्रधान पाठक अरविंद कुमार पांडेय द्वारा क्षेत्रीय जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती कान्ती देवी सिंह मार्को को पत्र प्रेषित कर स्कूल प्रांगण में पेयजल व्यवस्था कराने की मांग की गई थी। जिस पर जनपद सदस्य श्रीमती कान्ती देवी सिंह मार्को ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यपालन अभियंता पीएचई सूरजपुर प्रदीप खलखो को फोन कर अवगत कराते हुए पत्र को प्रेषित कर तत्काल पेयजल व्यवस्था हेतु नल कूप खनन करने आग्रह किया। जहां पीएचई विभाग द्वारा 15 दिवस के अन्दर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला करसू में नल कूप खनन करा दिया गया। ज्ञात हो कि यहां पर पेयजल व्यवस्था नहीं होने के कारण बच्चों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही स्कूली बच्चे दूषित पानी पीने को मजबूर हो गए थे।

अनुशासनहीनता एवं आचरण नियम के उल्लंघन पर संविदा शिक्षक की सेवा समाप्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विभिन्न माध्यमों के अनुसार स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मिडियम स्कूल में रघुनाथनगर में पदस्थ शिक्षक पीयूष वर्मा(संविदा) के द्वारा स्कूल में अध्ययनरत छात्र की पिटाई करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी वाड्रफनगर द्वारा प्रस्तुत जांच में शिक्षक पीयूष वर्मा के द्वारा छात्र की पिटाई करना प्रमाणित हुई। साथ ही संस्था के प्राचार्य के द्वारा भी शिक्षक पीयुष वर्मा द्वारा सूचित किए बिना अवकाश में रहने, सिलेबस अनुसार कोर्स व शिक्षक दैनन्दनी पंजी पूर्ण न करने सहित अभद्र व्यवहार करने अन्य तथ्यों के लिए नोटिस जारी किया गया था। साथ ही स्कूल में अन्य सह कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार करने की भी शिकायत की गई थी।

जांचकर्ता अधिकारी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी वाड्रफनगर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन अनुसार शिकायत प्रमाणित पाया जाना एवं प्राचार्य सेजेस इंग्लिस मिडियम रघुनाथनगर के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार श्री पीयूष कुमार वर्मा, शिक्षक के विरूद्ध उपरोक्त साक्ष्य प्रमाणित होने के कारण श्री वर्मा उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 01, 02 एवं 03 के उल्लंघन में दोषी है।

प्राचार्य, स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय रघुनाथनगर द्वारा प्रस्तुत सहपत्रों अनुसार प्रेषित प्रस्तावों एवं श्री पीयूष कुमार वर्मा, शिक्षक के विरूद्ध जांचकर्ता अधिकारी एवं विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी वाड्रफनगर के अनुसार उनके विरूद्ध अधिरोपित आरोप प्रमाणित पाये जाने एवं छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के उल्लंघन में दोषी पाये जाने के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 की दीर्घ शास्ति अधिरोपित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा श्री पीयूष कुमार वर्मा, शिक्षक-संविदा (अंग्रेजी माध्यम) विषय कला, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट (अंग्रेजी माध्यम) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुनाथनगर को संविदा सेवा से पदच्युत किया गया है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक पश्चात् जनदर्शन का आयोजन किया गया।

ग्रामीणों ने जनदर्शन में अपनी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर श्री कटारा ने आमजनों से प्राप्त शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुन जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

कोयला तस्करी की सूचना पर कोयला लोड ट्राला धराया, दो युवक हिरासत में

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री खदान से संगठित रूप से चल रही कोयला तस्करी का एक बार फिर भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर जिले की साइबर टीम, बिश्रामपुर पुलिस एवं एसईसीएल सुरक्षा अमले की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए कोयला लोड ट्राला वाहन को पकड़कर दो युवकों को हिरासत में लिया है। संयुक्त टीम ने मंगलवार तड़के कार्रवाई करते हुए कोयले की अफरा-तफरी में संलिप्त ट्राला वाहन क्रमांक सीजी 15 एसी 4616 को जब्त किया है। वाहन में लगभग 35 टन कोयला लोड होना बताया गया है। बिश्रामपुर पुलिस द्वारा मामले में कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि गायत्री खदान से सैकड़ों युवकों द्वारा बाइक के माध्यम से दिन-रात कोयला चोरी की जाती है। करीब दो माह से ईंट भट्ठों की आड़ में खदान से चुराए गए कोयले की खुलेआम खरीद-फरोख्त की जा रही है। तस्कर खदान के आसपास ईंट भट्ठे संचालित कर कोयले की खरीदी कर रहे थे, जिसे रात्रि में बड़े वाहनों में लोड कर करंजी चौकी क्षेत्र सहित अन्य स्थानों के ईंट भट्ठों में खपाया जा रहा है। वहीं से कोयला बाहर जिलों में भी भेजा जा रहा है।बताया जा रहा है कि मानी एवं महंगई क्षेत्र से चोरी के कोयले का परिवहन किए जाने की पुख्ता मुखबिर सूचना एसएसपी प्रशांत ठाकुर को मिली थी। सूचना के बाद एसएसपी ने तत्काल साइबर सेल एवं बिश्रामपुर पुलिस को अलर्ट किया। इसी दौरान गश्त पर निकले सुरक्षा अमले ने कुरुवां होते हुए बिश्रामपुर की ओर आ रहे संदिग्ध ट्राला वाहन को रोका और उसे बिश्रामपुर थाना परिसर में खड़ा कराया। पुलिस ने वाहन चालक 27 वर्षीय रामायण यादव पिता रामप्रसाद यादव निवासी केनापारा चौकी करंजी एवं 22 वर्षीय प्रताप सिंह पिता गंगा राम निवासी लैंगा को हिरासत में लिया है। दोनों के विरुद्ध बीएनएस की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। जांच में वाहन का स्वामी संदीप जायसवाल निवासी बतरा तथा वाहन में लोड कोयले का मालिक अखिलेश जायसवाल उर्फ छोटू, निवासी महंगई बताया गया है। ज्ञात हो कि गत वर्ष भी एसएसपी प्रशांत ठाकुर के नेतृत्व में इसी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई थी, जिसमें दो कोयला लोड ट्राला वाहन जब्त कर कोयला तस्कर आदर्श जायसवाल निवासी खरसूरा सहित उसके चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था। इस वर्ष पुनः की गई इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय कोयला तस्करों में हड़कंप मचा है और अवैध कोयला कारोबार पर कुछ हद तक लगाम लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

सरगुजा सूरजपुर की सीमा में खरीदी

गायत्री खदान से कोयला चुरा तस्कर खदान के आसपास ईंट भट्ठों सहित सरगुजा व सूरजपुर जिले की सीमा में लगे जंगल में कांटा बाट लगाकर खदान से चुराए गए कोयले की खरीदी के रहे हैं।इस तरह सरगुजा जिले के सीमावर्ती थाना की पुलिस को सेट कर लखनपुर का चर्चित कोयला तस्कर इन दिनों कोयले की खरीदी जोरो से कर रहा है। इधर जिले की सीमा का दोनों जिलों की पुलिस बहाना बनाकर तस्करों को सेटकर अपनी जेब गर्म कर रही है।

विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों को दी गई वीबी-जी राम जी की जानकारियां

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत रोजगार व आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) जिले में प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को सशक्त बनाना है। जिले में योजना का क्रियान्वयन कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

इस योजना के सुचारू एवं प्रभावी कार्यान्वयन तथा जन-जागरूकता के लिए जिले के सभी 6 विकासखंड में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को योजना के उद्देश्यों, प्रावधानों एवं लाभों से अवगत कराया गया।योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर पोस्टर, बैनर, होर्डिंग्स, नारा लेखन, दीवार लेखन, जन-जागरूकता जैसे माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण इस योजना से जुड़ सकें। विकसित भारत रोजगार व आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण के अंतर्गत अब ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का गारंटी रोजगार मिलेगा, जिससे उन्हें अतिरिक्त 25 दिनों का सीधा लाभ प्राप्त होगा।

बेरोजगार भत्ता का अधिकार, समय पर मजदूरी भुगतान, ग्राम स्तर पर योजना निर्माण की स्वतंत्रता, कार्य की श्रेणिया जिसमें जल सुरक्षा और संरक्षण कार्य, ग्रामीण अवसंरचना से जुडे कार्य, आजीविका संवर्धन के कार्य, जलवायु परिवर्तन व प्रतिकूल मौसम से निपटने वाले कार्य ये चारों क्षेत्र मिलकर विकास, सशक्तिकरण, कन्वर्जेंस, और स्थायी आजीविका का आधार बनेंगे। विभागों का एकीकरण और पारदर्शिता ,कृषि मजदूरी समन्वय, प्रशासनिक मद में राशि की बढ़ोत्तरी के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई।जिससे हर व्यक्ति को इसका लाभ प्राप्त हो सके।

सरगुजा संभाग उपायुक्त ने कुशफर एवं डुमरपान में अमृत सरोवर का किया निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा संभाग उपायुक्त श्री आर. के खूंटे द्वारा विकासखंड रामचंद्रपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत कुशफर एवं डुमरपान में निर्मित अमृत सरोवर तालाबों का जायजा लिया तथा कार्यों की गुणवत्ता, जलधारण क्षमता एवं रख-रखाव की स्थिति का अवलोकन किया।

संभाग आयुक्त श्री खूंटे ने संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को अमृत सरोवरों के सौंदर्यीकरण, समय-समय पर साफ-सफाई, जल संरक्षण एवं दीर्घकालीन उपयोग सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर का उद्देश्य वर्षा जल का संरक्षण कर ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ाना है, जिसे प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाना आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने, तथा स्थानीय सहभागिता के माध्यम से इन जल संरचनाओं के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर पी ओ, तकनीकी सहायक, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कड़ाके की ठंड से क्षेत्र में जमी बर्फ की चादर , पाले ने बढ़ाई किसानों की चिंता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के पहाड़ी एवं वनांचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। बीते कुछ दिनों से लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जिसके चलते सुबह करीब 7 बजे तक घरों के बाहर, खेतों, घास और फसलों पर बर्फ की सफेद चादर जमी हुई दिखाई दे रही है। ठंड का यह नजारा जहां लोगों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य का दृश्य बन गया है, वहीं दूसरी ओर किसानों के लिए यह गंभीर संकट का संकेत भी माना जा रहा है। हाडकपाऊ ठंड से जनजीवन भी पूरी तरह प्रभावित हो गया है। गांवों में जगह-जगह

लोग अलाव जलाकर ठंड से बचाव करते नजर आ रहे हैं। सुबह-शाम ठंडी हवाओं के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र पहाड़ी होने के कारण यहां ठंड का असर मैदानी इलाकों की तुलना में कहीं अधिक है। रात होते ही तापमान तेजी से गिर जाता है और तड़के सुबह तक खेतों में पाला जम जाता है। कई गांवों में लोग सुबह देर तक घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को ठंड से सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। किसानों का कहना है कि पाला पड़ने से सब्जी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। टमाटर, आलू, मटर, गोभी, बैंगन, फूलगोभी और पत्तेदार सब्जियों की फसलों पर पाले का असर साफ दिखाई देने लगा है। कई खेतों में पौधों की पत्तियां झुलसने लगी हैं और कुछ जगह फसल खराब होने की स्थिति बन गई है। यदि ठंड का यह दौर कुछ दिन और जारी रहा तो उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है। किसानों और व्यापारियों का मानना है कि पाले से यदि फसलों को व्यापक नुकसान हुआ तो बाजार में सब्जियों की आवक घटेगी। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा और सब्जियों के दाम एक बार फिर बढ़ सकते हैं। पहले से ही महंगाई से जूझ रहे लोगों के लिए यह एक और परेशानी बन सकती है।

किसान कर रहे बचाव के प्रयास

पाले से फसलों को बचाने के लिए किसान पारंपरिक उपाय अपना रहे हैं। रात के समय खेतों में धुआं करना, हल्की सिंचाई करना और फसलों को ढकने जैसे प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन लगातार गिरते तापमान ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। मौसम के जानकारों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में किसानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है, वहीं आम नागरिकों से भी ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की जा रही है।

छ.ग. राज्य युवा उत्सव में सरगुजा के रॉक बैंड ने प्राप्त किया प्रदेश में दूसरा स्थान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

छ.ग. राज्य द्वारा आयोजित ₹युवा उत्सव-2025 के इस वर्ष राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई, बिलासपुर में आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी जिलों से अलग-अलग विधाओं में अपनी अपनी प्रस्तुती दी । सरगुजा से भी रॉक बैंड टीम ₹इकतारा द फ्यूजन बैंड ने बलरामपुर ज़िले का नेतृत्व कर राज्य में लगातार दूसरी बार अपना नाम द्वितीय स्थान पर संरक्षित कर शहर एवं जिले को गौरवानवित किया है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रॉक बैंड विधा में लगभग 33 टीम ने अपनी प्रस्तुति दी। जिसमें रॉक बैंड टीम इकतारा फ्यूजन बैंड के टिम ने बलरामपुर जिले का प्रतिनिधित्व

करते हुए बिलासपुर में हुए प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया उक्त टीम का नेतृत्व दीपक कुमार वसूले ने किया तथा टीम के सदस्य राहुल विश्वकर्मा, दिव्यम दास, राहुल मंडल, शौर्य सर्राफ, राहुल गुप्ता, अंकुश दास ने भाग लेकर उक्त स्थान प्राप्त किया तथा सभी ने अपने इस सफलता का श्रेय जिला प्रशासन एवं खेल व युवा कल्याण विभाग को देते हुवे समस्थ टीम ने सहर्ष धन्यवाद प्रेषित किया है ।

डिजिटल व्यवस्था ने किसानों के लिए धान विक्रय करना बनाया आसान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। प्रदेश में धान खरीदी तिहार किसानों के लिए खुशहाली लेकर आया है। राज्य सरकार द्वारा धान का सर्वाधिक समर्थन मूल्य तथा पारदर्शी और तकनीक आधारित खरीदी व्यवस्था से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। धान उपार्जन केन्द्रों में लागू डिजिटल टोकन प्रणाली एवं सरल प्रक्रियाओं ने धान विक्रय को सुगम, सरल और आसान बना दिया है। अंबिकापुर विकासखंड अंतर्गत मेंड्राकला धान उपार्जन केन्द्र में धान विक्रय के लिए पहुंचे ग्राम पंचायत भिट्ठी

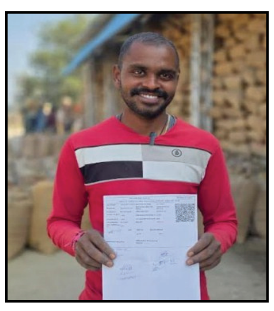

कला के रहने वाले लघु किसान श्याम लाल ने बताया कि उनके पास कुल 111.80 क्विंटल धान का रकबा है। उन्होंने बताया कि पहले उन्होंने धान उपार्जन समिति के माध्यम से टोकन कटवाया था, जहां किसानों की अधिक भीड़ के कारण समय अधिक लगा। इसके बाद उन्होंने किसान तुहंर टोकन ऐप का उपयोग कर घर बैठे ही 22.80 क्विंटल का अपना टोकन काटा लिया। किसान ने बताया कि डिजिटल टोकन सुविधा से टोकन काटना बेहद आसान हो गया है। अब समिति केन्द्र के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते, जिससे समय, श्रम और खर्च की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था किसानों को सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि धान उपार्जन केन्द्र पहुंचते ही नमी परीक्षण सहित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं त्वरित रूप से पूर्ण की गईं तथा समय पर बारदाना उपलब्ध कराया गया। तौल की प्रक्रिया भी पूरी तरह सुव्यवस्थित रही और धान विक्रय में किसी प्रकार की समस्या नहीं आई। कृषक ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है, जिससे किसानों को बड़ा आर्थिक लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष धान विक्रय से प्राप्त आय से उन्होंने खेत में बोर कराया, जिससे सिंचाई की साधन उपलब्ध हुआ। वर्तमान में वे खेती का विस्तार करते हुए गेहूं, दलहन, तिलहन एवं सब्जी की खेती भी कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है।

बैजनपाठ में सर्वेश्वरी समूह ने कड़ाके की ठंड से राहत देने

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए दुर्गम पहाड़ी एवं वनांचल क्षेत्र के ग्राम खोहीर बैजनपाठ में सर्वेश्वरी समूह की शाखा मकरी कुटिया आश्रम द्वारा जरूरतमन्दो को कम्बल व गर्म वस्त्र वितरित किया गया। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित आवागमन साधनों और आज भी लालटेन युग जैसी स्थिति में जीवन यापन कर रहे ग्रामीणों के लिए यह सेवा संजीवनी साबित हुई। ऊँची पहाड़ियों पर बसे इस क्षेत्र में ठंड का प्रकोप अत्यधिक है, जिसका

सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों, महिलाओं पर पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए आश्रम द्वारा ठंड से राहत सामग्री का निःशुल्क वितरण किया गया। सेवा अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों को 172 कंबल सहित साड़ी, स्वेटर आदि प्रदान की गई। सामग्री पाकर ग्रामीणों के चेहरों पर राहत और संतोष स्पष्ट नजर आया। यह सेवा कार्य परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु राम जी एवं पूज्यपाद बाबा गुरुपद संभव राम जी की कृपा तथा श्री बिहारीराम बाबा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत पूजन प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसके पश्चात सभी ग्रामीणों को प्रसाद वितरण भी किया गया। आयोजन के दौरान सेवा, करुणा और समर्पण का भाव देखने को मिला। इस दौरान व्यवस्थापक, मकरी कुटिया बिहारीराम बाबा, रमेश कुमार यादव पूनमचंद गोयल, लक्ष्मण जायसवाल, आशीष, तुलसी जायसवाल, मदन जायसवाल, गजमोचन सिंह एवं लाला देवांगन सहित अन्य सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

समयबद्ध सिलेबस पूर्ण करें शिक्षक और हर बच्चे की समझ व प्रगति पर दें विशेष ध्यान-जयवर्धन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक आहूत की गई। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य परिणामोन्मुख और छात्र-केंद्रित होना चाहिए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी से उपचारात्मक

कक्षाओं के सम्बंध में जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने तिमाही व छमाही परीक्षा के परिणाम को तुलना करने के निर्देश दिये ताकि वार्षिक परीक्षा परिणाम को बेहतर करने की दिशा में उचित कदम उठाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी शिक्षक समय

पर विद्यालय पहुंचें, शिक्षक समयबद्ध सिलेबस पूर्ण करें तथा हर बच्चे की समझ व प्रगति पर विशेष ध्यान दें। इसके साथ ही बैठक में आपार आईडी, परीक्षा पे चर्चा इत्यादि बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर ने समस्त ब्लॉक लेवल अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह पर अधिकारी जनपद सभाकक्ष से वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। उन्होंने बैठक मे उपस्थित अधिकारियों को समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा उच्च पदक्रम ने निचले पदक्रम पर उचित मैसेज का संप्रेषण करने की बात कही ताकि शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से हो सके। बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकताओं की नियुक्ति को लेकर कलेक्टर ने अद्यतन स्थिति की जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास से ली। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि भर्ती प्रकिया मे संबंधित पूर्ण सावधानी बरतें और पारदर्शिता के साथ प्रक्रिया पूर्ण करें।

राष्ट्रपति ने जशक्राफ्ट हस्तशिल्प उत्पादों की सराहना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव जशपुर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन विष्णु देव साय को जशक्राफ्ट ब्रांड के अंतर्गत स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों- बाँस एवं सवई घास से निर्मित आकर्षक हस्तशिल्प उत्पादों को पारंपरिक कलाकृतियों के रूप में उपहार स्वरूप भेंट किया गया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने जशक्राफ्ट के हस्तशिल्प उत्पादों को देखकर विशेष प्रसन्नता व्यक्त की तथा स्थानीय कारीगरों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ विकसित की गई इन पारंपरिक कलाकृतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। यह अवसर जशपुर जिले की समृद्ध जनजातीय कला, स्थानीय कारीगरों के उत्कृष्ट कौशल तथा जशपुर वनमंडल द्वारा किए जा रहे नवाचारपूर्ण एवं जनकल्याणकारी प्रयासों के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण रहा। जशपुर वनमंडल द्वारा

भविष्य में भी इस प्रकार की नवाचारपूर्ण पहलें निरंतर जारी रखी जाएंगी, ताकि स्थानीय संसाधनों का संरक्षण, पारंपरिक ज्ञान का संवर्धन तथा ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ कर सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके। जशपुर वनमंडल द्वारा नवाचार के अंतर्गत ग्राम कोटानपानी के संयुक्त वन प्रबंधन समिति को चक्रीय निधि से वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिससे ग्रामीण महिला कारीगरों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो सके हैं। प्रदत्त सहायता से संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों बाँस एवं सवई घास का उपयोग करते हुए आकर्षक एवं पर्यावरण-अनुकूल हस्तशिल्प उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। जशक्राफ्ट ब्रांड के अंतर्गत तैयार किए जा रहे उत्पादों में झुमके, माला, टोपी सहित अन्य पारंपरिक आभूषण एवं दैनिक उपयोग की सामग्री शामिल हैं। ये सभी उत्पाद स्थानीय कारीगरों की पारंपरिक कला, कौशल, रचनात्मकता तथा पीढ़ियों से संचित जनजातीय ज्ञान का सशक्त प्रतिबिंब हैं। उत्पाद निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया में पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के सिद्धांतों का विशेष रूप से पालन किया जा रहा है। जशक्राफ्ट पहल के माध्यम से न केवल स्थानीय कारीगरों एवं ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध जनजातीय कला एवं हस्तकला को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किया जा रहा है। इस पहल से स्थानीय उत्पादों के लिए नए बाजार उपलब्ध होंगे तथा स्वरोजगार एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी।

किसान हितैषी नीतियों से किसानों को मिल रहा वास्तविक लाभ-किसान राजेंद्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों पर की गई बेहतर व्यवस्थाओं और पारदर्शी प्रक्रिया के चलते किसानों को धान विक्रय में सहुलियत मिल रही है। सरल प्रक्रिया, समयबद्ध सेवा और पर्याप्त सुविधाओं की वजह से किसान संतुष्ट नजर आ रहे हैं। अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत शिवपुर निवासी किसान राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस वर्ष धान की पैदावार अच्छी हुई है। उनके पास कुल 148 क्विंटल धान का रकबा है, जिसके लिए उन्होंने धान उपार्जन समिति के माध्यम से 50 क्विंटल का पहला टोकन कटवाया। उन्होंने बताया कि टोकन प्राप्त करने से लेकर धान विक्रय तक की पूरी प्रक्रिया सहज और परेशानी मुक्त रही है।

किसान ने बताया कि धान

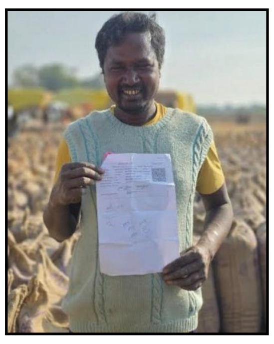

उपार्जन केंद्र पहुंचते ही गेट पास की कार्रवाई की गई, नमी परीक्षण किया गया और तत्पश्चात तत्काल बारदाना उपलब्ध कराया गया। सभी कार्य नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से किए गए, जिससे धान बेचने में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। उपार्जन केन्द्र में किसानों के लिए पेयजल, बैठने और छाया जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल का सर्वाधिक दाम मिल रहा है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि प्राप्त राशि से वे गेहूं, तिलहन, सब्जी सहित अन्य फसलों की खेती कर रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है।

किसान ने धान खरीदी व्यवस्था को सराहनीय बताते हुए कहा कि सरकार की किसान हितैषी नीतियों से किसानों को वास्तविक लाभ मिल रहा है। उन्होंने बेहतर धान खरीदी व्यवस्था के लिए शासन -प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धान उपार्जन केन्द्र में किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसकी वजह से धान विक्रय करने में परेशानी नहीं हो रही है।

'श्रापित भूमि' वाले बयान पर दिनेश खटीक ने दी सफाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मेरठ , हस्तिनापुर सीट से भाजपा के राज्यमंत्री और विधायक दिनेश खटीक की सफाई का एक लेटर सामने आया है। इस लेटर में राज्यमंत्री ने अपने विवादित बयान पर सफाई दी है। यह लेटर पीएम नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी टैग किया गया है। जो लेटर सोशल मीडिया पर सामने आया है इसमें राज्यमंत्री दिनेश खटीक अपने बयान को लेकर सफाई देते दिख रहे हैं। लिखा- मेरे द्वारा कही गई कुछ बातों को मीडिया में संदर्भ से अलग और गलत रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जो सत्य नहीं है। हस्तिनापुर मेरी कर्मभूमि है। दिनेश खटीक का 5.30 मिनट का वीडियो भी सामने आया है। वह बुधवार को एक स्कूल के समारोह में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मेरठ के खरखौदा क्षेत्र में पांची स्थित एमएस हेरिटेज स्कूल के 22वें वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम, उत्तराखंड सरकार के राज्यमंत्री श्याम सिंह सैनी और मंत्री दिनेश खटीक पहुंचे थे। दिनेश खटीक ने कहा- जो महाभारत का एक दृश्य दिखाया है वो अपने आप में अभिभूत है, मैं इसको अपने वाक्यों से नहीं बता सकता। ये भी एक संयोग है कि मुझे न गुरुजी, न आपने बुलाया। कल्कि अवतार जो भगवान हैं, जिनका मंदिर गुरुजी के हाथों बन रहा है। उन्होंने मुझे कहा कि हस्तिनापुर में जो वर्तमान विधायक हैं, उन्हें भी ये लीला दिखाने के लिए बुलाइए। ये जो लीला आपने दिखाई है, हस्तिनापुर का जो दृश्य आपने दिखाया है, मैं उसी हस्तिनापुर से विधायक हूं। परम पूज्य गुरुजी मन में एक बात आती रहती है।

जिपं सीईओ ने आवास योजना की समीक्षा हेतु किया प्रेमनगर क्षेत्र का भ्रमण, दिए आवश्यक निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रेमनगर ब्लॉक में निर्माणधीन आवासों के निरीक्षण हेतु जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले ने मंगलवार को जनपद क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत संचालित निर्माण कार्यों की स्थिति का निरीक्षण कर हितग्राहियों से संवाद किया। भ्रमण के दौरान जिपं सीईओ ने हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में आवास पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्यों को भी तय समय में पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को दिए। इसके अतिरिक्त महात्मा गांधी राष्ट्रीय

ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत कार्यरत मजदूरों से चर्चा कर समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत अन्नपूर्णा में नाला सफाई एवं निर्माण कार्य, ग्राम फूलकोना में डूडूमझरिया आंगनबाड़ी भवन निर्माण, ग्राम पंचायत भगवानपुर में कोसमपारा आंगनबाड़ी भवन निर्माण तथा राम नंदे आत्मज कुंजीलाल के डबरी निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत खजूरी कंचनपुर, ब्रह्मपुर, अभयपुर, चंदननगर रघुनाथपुर एवं नमना में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों का निरीक्षण कर सभी आवासों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वालों को जवाब

ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वालों को अब पाकिस्तान की टॉप लीडरशिप से ही कड़ा जवाब मिल रहा है। पाक के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री और उप प्रधानमंत्री इशाक डार, पाक थलसेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर अहमद शाह के बाद अब राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी माना कि भारत की मिसाइलों ने पाकिस्तान में भारी तबाही मचाई थी। इसके कारण पूरा पाकिस्तान दहशत में आ गया था। भारत की सधी हुई सटीक कार्रवाई ने पाकिस्तान की नींदें उड़ा दी थीं। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने जब पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर छेड़ा, तो उस समय हालात ये हो गए थे कि वहां की टॉप लीडरशिप को बंकर तक में छिपाने का इंतजाम होने लगा था। ये बात खुद पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने स्वीकार की है। ऐसे में कोई भी समझ सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर कामयाब था या नहीं। आतंकी हमले के जवाब में मई में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। इसमें पीओके और पाकिस्तान में स्थित कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया गया और फिर पाकिस्तानी एयरबेस पर भी जमकर हमले किए गए थे। एक कार्यक्रम के दौरान जरदारी ने स्वीकार किया कि भारत की कार्रवाई के दौरान पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व में डर का माहौल व्याप्त था। भारतीय हमलों के समय उनके मिलिट्री सेक्रेटरी ने उन्हें सुरक्षा के लिए बंकर में जाने की सलाह दी थी। हालांकि उन्होंने बंकर में जाने से मना कर दिया था और कहा था कि नेता बंकर में नहीं मरते। जरदारी ने कुबूल किया कि सेना से लेकर सरकार तक भारतीय हमलों से डरी हुई थी। आमजन में भी भय का महौल था कि अब क्या होगा। इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उप प्रधान मंत्री इशाक डार ने भी ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी की दास्तां सुनाई। उन्होंने कहा कि भारत ने रावलपिंडी के चकला में उनके नूर खान एयर बेस तक को निशाना बनाया था, जिससे उनके मिलिट्री ठिकाने को नुकसान पहुंचा। भारत ने 36 घंटों के भीतर पाकिस्तानी इलाके में कई ड्रोन भेजे थे और एक ड्रोन ने मिलिट्री ठिकाने को नुकसान पहुंचाया था। इससे पहले पाक सेना प्रमुख मुनीर ने भी कहा था कि भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने के बाद जब हमले किए, तो खुद अल्लाह ने उन्हें मदद भेजी। हमने इसे महसूस किया। आप खुद सोचिए कि भारत को मुंहतोड़ जवाब देने की बातें करने वाले मुनीर को जंग के वक्त मची तबाही से ईश्वर याद आने लगे थे। वहीं, पाक पीएम शहबाज शरीफ ने भी खुद ऑपरेशन सिंदूर के 10 दिन के अंदर ही बताया था कि कैसे भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों ने पाकिस्तान को दहला दिया था। उन्होंने स्वीकारा था कि भारतीय हमलों में रावलपिंडी एयरपोर्ट तक को तबाह कर दिया गया था। आपको याद दिला दें कि 7 मई को भारत ने अचानक ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की, जबकि पाकिस्तान इसके लिए तैयार नहीं था। भारत पहले ये दावे कर चुका था, कि उसने पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए, सटीक निशाने साधकर पाक को घुटनों के बल पर आने को मजबूर कर दिया था, लेकिन पाकिस्तान इस पर गोलमोल बातें करता था। अब पाकिस्तान का शीर्ष नेतृत्व ही साफ बता रहा है कि भारत के निशाने कितने सटीक थे और ऑपरेशन सिंदूर कितना सफल रहा था। पाक का यह कबूलनामा भारत में ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वालों के लिए भी करारा जवाब है।

पड़ोस

अरविंद जयतिलक

अराजक बन चुका यूनुस का शासन तंत्र

बांग्लादेश में उपजी अराजकता के बीच एक बार फिर अल्पसंख्यक हिंदू निशाने पर हैं। बीते सप्ताह दीपू चंद्र दास की निर्दयतापूर्वक पीट-पीटकर हत्या और फिर पेड़ से लटकाकर जलाने की कायराना हरकत के बाद समझा गया था कि यूनुस सरकार कट्टरपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, लेकिन वह हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। सच कहें तो हालात अब पहले से भी बदतर हैं। अब भी अराजकतावादियों द्वारा हिंदू घरों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और मंदिरों को लूटा जा रहा है। हिंदू इलाकों में डर और भय का माहौल है। हिंदू महिलाएं बेहद असुरक्षित और असहाय हैं। हिंदुओं को अपनी जान बचाने के लिए भागना-छिपना पड़ रहा है। तख्तापलट के बाद अब तक सैकड़ों हिंदू नेताओं और व्यापारियों की हत्या हो चुकी है। सेना और पुलिस तमाशबीन हैं। सच कहें तो अंतरिम सरकार के अगुवा मोहम्मद यूनुस का तंत्र अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए कसाई बन चुका है। उनकी सरकार अल्पसंख्यक हिंदुओं को मिटाने पर आमादा है। किसी से छिपा नहीं है कि बांग्लादेश में बहुतेरे आतंकी और कट्टरपंथी संगठन हैं जिन्हें यूनुस सरकार का संरक्षण प्राप्त है। इनका एकमात्र मकसद बांग्लादेश से हिंदू अल्पसंख्यकों को खत्म करना है। इसके लिए वे तीन रास्ते अपना रहे हैं-हत्या, बलात्कार और धर्म परिवर्तन।

> बांग्लादेश में उपजी अराजकता के बीच एक बार फिर अल्पसंख्यक हिंदू निशाने पर हैं। बीते सप्ताह दीपू चंद्र दास की निर्दयतापूर्वक पीट-पीटकर हत्या और फिर पेड़ से लटकाकर जलाने की कायराना हरकत के बाद समझा गया था कि यूनुस सरकार कट्टरपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, लेकिन वह हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। सच कहें तो हालात अब पहले से भी बदतर हैं। अब भी अराजकतावादियों द्वारा हिंदू घरों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और मंदिरों को लूटा जा रहा है। बेहतर होगा कि भारत सरकार बांग्लादेशी अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश पर दबाव बनाए। वैश्विक समुदाय को भी अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए कदम उठाना चाहिए।

गत वर्ष ही बांग्लादेश राष्ट्रीय हिंदू महाजोत द्वारा खुलासा किया गया था कि पिछले एक वर्ष में बांग्लादेश में हिंदू समुदायों की 39 महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया। इनमें 27 महिलाएं गैंगरेप का शिकार हुई हैं। 55 महिलाओं से बलात्कार की कोशिश हुई। रिपोर्ट के मुताबिक बलात्कार के बाद 14 महिलाओं की हत्या की गई। हिंदू महाजोत संस्था के जिम्मेदार लोगों की मानें तो पिछले एक वर्ष में अल्पसंख्यक समुदाय के 424 लोगों को मारने का प्रयास किया गया। तकरीबन 360 लोगों को बुरी तरह घायल किया गया। 127 लोगों का अपहरण हुआ। 445 अल्पसंख्यक परिवारों को देश छोड़ने पर मजबूर कर उनकी 89,990 एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया गया। 3694 परिवारों को बेदखल कर उनकी जमीन हड़पने का प्रयास किया गया। 15,115 परिवारों पर पलायन का खतरा बरकरार है। 152 लोगों का धर्म परिवर्तन किया गया है। पिछले एक वर्ष में 51 मंदिरों की जमीन पर कब्जा और 128 मंदिरों पर हमले, तोड़फोड़ एवं आगजनी की गई। मंदिरों से मूर्ति चोरी की 72 घटनाएं हुई। अल्पसंख्यकों से 27 करोड़ 46 लाख 33 हजार रुपये की वसूली की गयी। कुल नुकसान 220 करोड़ 89 लाख टका का हुआ। गौर करें तो यह परिदृश्य तख्तापलट से पहले का है। तख्तापलट के बाद अल्पसंख्यक हिंदुओं पर कितना अत्याचार हुआ है, उसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती। सच कहें तो बांग्लादेश में हिंदू समुदाय को अब जीने की आजादी नहीं रह गई है। नतीजतन बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की आबादी तेजी से घट रही है। अभी गत वर्ष ही अमेरिकी मानवाधिकार कार्यकर्ता रिचर्ड बेंकिन ने खुलासा किया था कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी तेजी से घट रही है। रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना और खालिदा जिया के अंतर्गत बांग्लादेशी सरकारों ने उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की है, जो हिंदुओं के खिलाफ काम करते रहे हैं। बेंकिन के आंकड़ों पर गौर

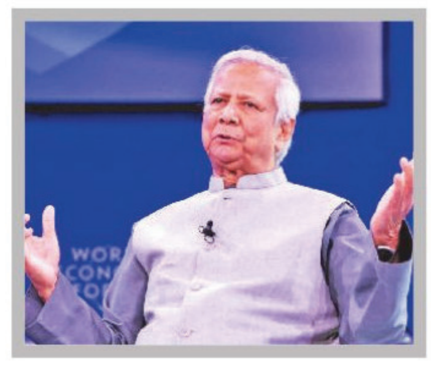

करें तो बांग्लादेश की कुल आबादी 15 करोड़ है जिसमें से 90 प्रतिशत मुसलमान हैं। हिंदू आबादी घटकर 9.5 प्रतिशत रह गई है। सवाल उठना लाजिमी है कि अगर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू सुरक्षित हैं तो मुसलमानों की आबादी की तुलना में उनकी आबादी में आनुपातिक वृद्धि क्यों नहीं हुई है?

गौर करें तो इसके दो मुख्य कारण हैं। एक सुनियोजित रणनीति के तहत अल्पसंख्यक हिंदुओं का कत्ल और दूसरा उनका धर्मांतरण। आमतौर पर बांग्लादेश का हिंदू जनमानस राजनीतिक और आर्थिक रूप से कमजोर है। आतंकी व कट्टरपंथी संगठनों के अलावा बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व वाले राजनीतिक संगठन बीएनपी के समर्थक भी उन्हें लगातार निशाना बनाते रहते हैं। यह तथ्य है कि जब भी बेगम खालिदा जिया की नेतृत्व वाली बीएनपी सत्ता में आई है, हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ा है। खालिदा सरकार इस्लामिक कट्टरपंथियों को हिंदुओं के खिलाफ भड़काती है। यह तथ्य है कि 2001 में जब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार सत्ता में आई तो योजना बनाकर हिंदुओं का नरसंहार किया गया। उसके समर्थक हिंदुओं के घर जलाए और संपत्तियों की लूटपाट की। हिंदू अल्पसंख्यक महिलाओं के साथ शर्मनाक कृत्य किए। बेगम खालिदा सरकार के डर से लाखों हिंदू बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गए। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सत्ता से विदाई के बाद जब अवामी लीग की सरकार सत्ता में आई तो उसने हिंदू अल्पसंख्यकों को न्याय का भरोसा दिया। उसने खालिदा सरकार के दौरान नरसंहार की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया। आयोग ने 25 हजार से अधिक लोगों को हिंदुओं पर हमले का जिम्मेदार ठहराया और उन पर मुकदमा चलाने का निर्देश दिया। शर्मनाक तथ्य यह कि हमलावरों में खालिदा सरकार के 25 पूर्व मंत्री भी शामिल हैं, लेकिन अरसा गुजर जाने के बाद भी गुनाहगारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई है। आज भी वे खुलेआम घूम रहे हैं। बांग्लादेश में न केवल अल्पसंख्यकों की निर्मम हत्याएं हो रही है बल्कि उनके संवैधानिक अधिकारों को भी सुनियोजित तरीके से समाप्त किया जा रहा है। खालिदा सरकार के दौरान एक साजिश के तहत हिंदुओं के प्रापर्टीज अधिकारों को सीमित किया गया। हालांकि अवामी लीग की सरकार ने 2011 में 'वेस्टेज प्रापर्टीज रिटर्न (एमेंडमेंट) बिल 2011 पारित कर जब्त की गई या मुसलमानों द्वारा कब्जाई गई हिंदुओं की जमीन को वापस करने का कानून बनाया, लेकिन अभी तक उसका कोई सार्थक नतीजा सामने नहीं आया है।

सच तो यह है कि इस बिल के पारित होने के बाद मुस्लिम कट्टरपंथियों में हिंदुओं की जमीन कब्जाने की होड़ मच गई है। अगर कट्टरपंथियों के समर्थन वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सरकार में आती है तो इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि 1960 में एक विवादित कानून के तहत हिंदुओं की जमीनें हड़प ली गई थी। यह कानून पूर्वी पाकिस्तान प्रशासन ने लागू किया था और उसम समय बांग्लादेश पाकिस्तान का हिस्सा था। 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद इस कानून का विरोध हुआ सरकार ने अपने वादे के मुताबिक 'वेस्टेज प्रापर्टीज रिटर्न (एमेंडमेंट) बिल 2011 पारित की है लेकिन अल्पसंख्यक हिंदू अपनी प्रापर्टीज पर काबिज नहीं हो सके हैं। बेहतर होगा कि भारत सरकार बांग्लादेशी अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश पर दबाव बनाए। वैश्विक समुदाय को भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए कदम उठाना चाहिए। अन्यथा वहां भी हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति पाकिस्तान में बदतर हिंदू अल्पसंख्यकों जैसी होनी तय है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अलर्ट

डॉ. मोनिका शर्मा

नए साल के उत्सव पर आतंकी भय का साया

नववर्ष 2026 दस्तक देने वाला है। दुनियाभर में महीनों पहले नए साल के उत्सव की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। आर्थिक पहलू पर यह समय पर्यटन उद्योग के लिए और सामाजिक-पारिवारिक पक्ष पर मेलजोल, यात्राओं और उत्सवीय रौनक के लिए बहुत अहम होता है। दुखद है कि दुनियाभर में बढ़ती आतंकी घटनाओं के चलते नए साल के उत्सव पर भी भय का साया मंडरा रहा है। इसके चलते नववर्ष के स्वागत के बजाय दुनिया के कई बड़े शहर सुरक्षा की चिंता में डूब गए हैं। ध्यातव्य है कि पेरिस, टोक्यो और सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में नववर्ष के सार्वजनिक कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं। पेरिस में शॉन्ज एलीजे पर होने वाला कॉन्सर्ट, जापान की राजधानी टोक्यो में शिबुया काउंटडाउन इवेंट, यूरोप के बेलग्रेड शहर में सरकारी स्तर होने वाला न्यू ईयर समारोह जैसे बड़े कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। वहीं न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर न्यू ईयर बॉल ड्रॉप को लेकर भारी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। आतंकी घटनाओं के कारण बने भय के परिवेश में सुरक्षा कारणों से उत्सवों का रद्द होना सचमुच चिंतनीय है। ये दुनिया के किसी भी हिस्से में बसे सहज जीवन जीने वाले आम लोगों को निराश करने वाली स्थितियां हैं। विचारणीय यह भी है कि ऐसे कदम चुस्त-दुरुस्त सुरक्षा के प्रबंध के लिए चर्चा पाने उन देशों में उठाए जा रहे हैं। बेलग्रेड शहर के मेयर अलेक्जेंडर सापिच के अनुसार इस साल कोई आधिकारिक सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं होगा। स्थानीय प्रशासन ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। हालिया दिनों में दुनिया के कई शहरों में आतंकी घटनाएं होने के कारण जोखिम लेना सही नहीं है। कार्यक्रम निरस्त करने के पीछे अमेरिका में हुई एक बड़ी कार्रवाई को भी माना जा रहा है। इसमें लॉस एंजिल्स में नववर्ष की संध्या पर कई जगहों पर बम धमाके की साजिश का खुलासा हुआ है। अफसोस कि इन्हीं देशों के कई संस्थान और सरकारें भारत को सहिष्णुता पर नसीहतें देते रहे हैं। ऐसी पीड़ादायी घटनाओं को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करते रहे हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने तो अपनी रिपोर्ट में इस हमले के लिए जिम्मेदार आतंकियों को मिलिटेंट्स और गनमैन तक लिखा था। आतंकी हमलों की गंभीरता को कम करने और भारत के प्रति असहयोगी रवैया अपनाने का यह रुख कई बार देखने को मिला है। फिलहाल नए साल के अवसर पर वहां आतंकी घटना होने की आशंका ही उत्सव मानने में खलल डाल रही है। असल में निर्दोष लोगों का जीवन छीनने की कट्टरता और दुस्साहस अब तीसरी दुनिया के देशों की समस्या भर नहीं रहा। बीते दिनों ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में यहूदी समुदाय द्वारा पर्व की खुशियां मनाते लोगों पर भी आतंकी हमला हुआ था। ज्ञात हो कि हनुक्का उत्सव के दौरान आतंकी हमले को अंजाम देने वाले बंदूकधारियों द्वारा भीड़ पर की गई गोलीबारी में 15 लोगों का जीवन छिन गया था। पिता-पुत्र की जोड़ी द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी में दर्जनों की संख्या में लोग घायल हुए थे। 2025 में नववर्ष के दिन ट्रक में सवार एक अमेरिकी सेना के पूर्व सैनिक ने अस्थायी अवरोधों को पार करते हुए न्यू ऑरलियन्स के भीड़भाड़ वाले फ्रेंच क्वार्टर में ट्रक घुसा दिया था। इस घटना में 15 लोगों की मौत हो गई। विकसित देशों में भी आतंकी घटनाओं से भय का परिवेश का बन गया है। स्पष्ट है कि आतंकी घटनाएं और हिंसक मानसिकता अब दुनियाभर में ना केवल डेरा जमा रही है बल्कि सहज जीवन में भी बाधा बन गईं हैं। कहना जरूरी है कि हमारा देश तो आतंक की इस पीड़ा को बरसों से भोगता आया है। अब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के देश भी इस कट्टरता की तपिश के घेरे में हैं। भारत में तो हालिया वर्षों में सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी सतर्कता से आतंकवादियों के नकारात्मक इरादों को बार-बार विफल किया है। बावजूद इसके पहलगाम में पर्यटकों पर किया गया गया आतंकी हमला हो या दिल्ली में लाल किले के पास हुआ बम धमाका। हिंसक मानसिकता का यह उन्माद सिर उठाता रहता है। मुस्तैदी से डटी सुरक्षा एजेंसियों से मिला भरोसा ही है कि भारतीय नागरिक अपने पर्व-उत्सव बिना भय के मना पाते हैं।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिव दुष्ट में भी मौजूद हैं और धर्मात्मा में भी

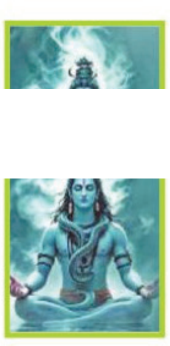

संकलित

दर्शन

केवल ज्ञान हमारी चेतना का उत्थान नहीं कर सकता है। अनुभव के बिना ज्ञान बिल्कुल वैसा ही है, जैसे कि बिना लक्ष्य की प्राप्ति हुए गधे पर बैठकर दौड़ना। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम सीमित व्यक्ति नहीं, बल्कि ईश्वर का अभिन्न अंग हैं। शिव एक खाली स्थान की भांति, दिन और रात, सुख और दुख से अप्रभावित रहते हैं। शिव हमारे भीतर ही रहते हैं और भीतर से ही हमें आशीर्वाद देते हैं। यह वैसा ही है कि जिस प्रकार से बुरे स्वप्न से जागकर हमें यह पता चलता है कि हम सुरक्षित हैं। श्री रुद्रम को सुनने के बाद हमें हमारे वास्तविक स्वभाव के बारे में जागृति होती है, जो ईश्वर ही है। केवल धर्म संस्कार हमारा उत्थान नहीं कर सकते हैं। वास्तविक उत्थान भीतरी रूपांतरण, सरलता और ईश्वर के साथ अपने संबंध को पहचानने से होता है। शिव का सौंदर्य विविधता में मौजूद है। जिस प्रकार से सूर्य का प्रकाश सब जगह एक समान पड़ता है, वैसे ही शिव हर एक चीज में मौजूद है। जैसे - मिट्टी के गड्ढों में, घने जंगलों में, रेगिस्तान और पहाड़ों में, सब जगह पर शिव व्याप्त हैं। शिव दुष्ट में भी मौजूद हैं और धर्मात्मा में भी। उनका प्रेम सबके लिए है, इसमें कोई शर्त नहीं है और जो जैसा है, उसे शिव वैसे ही स्वीकार करते हैं। हमारी प्रवृत्तियों में मौजूद शत्रु हमारे विकास में बाधा डालते हैं। शिव से जुड़ जाने से, उनकी भक्ति करने से ये सारे भीतरी शत्रु यानी बुराइयां समाप्त हो जाती हैं और हमें बाहरी जगत की चुनौतियों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

अच्छे कार्य करने से गुरु शिष्य को कभी न रोके

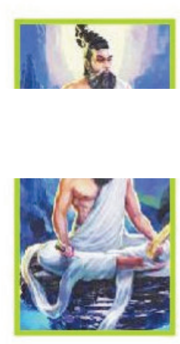

संकलित

प्रेरणा

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य बताए गए हैं। भगवान शिव ने शुक्राचार्य को मृत संजीवन विद्या दी थी। इस विद्या से शुक्राचार्य मरे हुए दैत्यों को फिर से जीवित कर देते थे। जब दैत्यराज बलि का राज था। तब एक दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और बलि के पास पहुंचे। बलि अपनी दानवीरता की वजह से बहुत प्रसिद्ध थे। वे किसी भी मांगने वाले को खाली हाथ नहीं जाने देते थे। राजा बलि उस समय यज्ञ कर रहे थे। बलि ने वामन देव को देखा तो वह उनके पास पहुंचा। वामन देव ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। शुक्राचार्य वामन देव को पहचान गए थे कि ये विष्णु जी हैं। इसलिए उन्होंने बलि को दान देने से रोकना चाहा। राजा बलि ने अपने गुरु की बात नहीं मानी और वामन देव को दान देने के लिए तैयार हो गए। तब शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में सूक्ष्म रूप में बैठ गए, जिससे की पानी बाहर न आए और राजा बलि भूमि दान करने का संकल्प न ले सकें। वामन भगवान जानते थे कि शुक्राचार्य बलि के कमंडल में बैठे हैं। उन्होंने बलि के कमंडल में एक तिनका डाल दिया, जिससे शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। इसके बाद शुक्राचार्य कमंडल से बाहर आ गए और बलि ने वामन देव को भूमि दान दे दी। अगर कोई गुरु अपने शिष्य को नेक काम करने से रोकता है तो उसे इसका बुरा फल भोगना पड़ता है।

देवी काली का धरा रूप

कोलकाता में रविवार को स्ट्रीट आर्ट फेस्टिवल के दौरान देवी काली के रूप में सजी एक कलाकार।

आज की पाती

जाम पर कैसे मिले मुक्ति

संतोषीनगर अंडरबिज के पास जाम दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। सुबह शाम को रिंग रोड पार करना एक परीक्षा से कम नहीं। सियासतदारों ने नया बस स्टैंड भाठागांव में ला दिया, लेकिन यह नहीं सोचा की ट्रैफिक का दबाव कैसे डायवर्ट होगा। सुबह किसी को दफ्तर जाना है, कोई अस्पताल के लिए निकलता है और अंडरब्रिज के पास आकर रुक जाता है। यातायात पुलिस जरूर होती है, लेकिन यातायात नियंत्रण करना मुश्किल हो जाता है। अब ऐसे में लोग किससे शिकायत करें।

- होमन देवांगन, रायपुर

ट्रेंड

सौर ऊर्जा का उपयोग

भारत के युवा सतत विकास के प्रति जबरदस्त उत्साह दिखा रहे हैं। इस संदर्भ में, मणिपुर के मोइरांगथेम सेठ द्वारा सौर ऊर्जा का उपयोग करके समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों की सराहना की जाती है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

विनम्र श्रद्धांजलि

भारत के औद्योगिक विकास के आधार स्तंभ, प्रख्यात उद्योगपति, 'पद्म विभूषण' रतन टाटा की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने भारत में उद्यम एवं उद्यमिता को नई गति प्रदान की, 'आत्मनिर्भर भारत' की सिद्धि में उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

मर्ज़ी और पर्ची

'मर्जी और पर्ची' ही जिस पार्टी के संगठन और सरकार का आधार हो, वहाँ मौन रहने में ही अपना सम्मान है। जहाँ पूरी कैबिनेट बदल दी जाती है, वहाँ कोई गलतफहमी में किसी तरह की बयानबाजी न करे और न ही किसी समाज को सार्वजनिक चेतावनी दे।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

समावेशी विकास

कांग्रेस ने हमेशा जनता के कल्याण, सशक्तिकरण और समावेशी विकास के लिए काम किया है। हम संविधान द्वारा प्रदत्त राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक अधिकारों में समान अवसर में विश्वास रखते हैं।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

श्रीलंका में भारत के राहत पैकेज को संयुक्त समिति लागू करेगी

श्रीलंका और भारत के अधिकारियों को मिलाकर बनाई गई संयुक्त समिति को चक्रवात 'दित्वा' के बाद भारत द्वारा श्रीलंका को दिए जाने वाले पुनर्निर्माण पैकेज की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। मीडिया में रविवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। इस पैकेज की घोषणा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की, जिन्होंने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में कोलंबो का दौरा किया था और चक्रवात के बाद कोलंबो के पुनर्निर्माण के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया था। इस चक्रवात के कारण 600 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। कुल 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पैकेज में से 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर रियायती ऋण के तौर पर हैं और 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर अनुदान के रूप में होंगे। 'द संडे टाइम्स' के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संयुक्त समिति पुनर्निर्माण परियोजनाओं, भारतीय ऋण के तहत की जाने वाली खरीद और परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए भारत से मानव संसाधन की तैनाती पर निर्णय लेगी। इसमें कहा गया है कि संयुक्त समिति परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तीन, छह और नौ महीने की तीन समय सीमाओं के तहत काम करेगी। यह कार्य पांच अलग-अलग श्रेणियों के अंतर्गत किया जाएगा।

ऑफ बीट

क्या मैराथन से हृदय को नुकसान पहुंचता है?

मैराथन दौड़ मानव शरीर को उसकी क्षमता की सीमा तक पहुंचा देती है। पैर थक जाते हैं, सांस फूलने लगती है और हृदय को घंटों तक कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसी वजह से वर्षों से यह सवाल उठता रहा है कि क्या 26 मील (लगभग 42 किलोमीटर) दौड़ना हृदय के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अध्ययन में पाया गया कि मैराथन के तुरंत बाद हृदय के दाहिने वेंट्रिकल (जो खून को फेफड़ों तक पहुंचाता है) की पंप करने की क्षमता कुछ समय के लिए कम हो जाती है, लेकिन यह कमजोरी कुछ ही दिनों में ठीक हो जाती है। सबसे अहम बात यह रही कि दस साल की निगरानी अवधि में इन धावकों के हृदय की कार्यक्षमता को कोई स्थायी नुकसान होने के प्रमाण नहीं मिले। यह निष्कर्ष इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले के कुछ अध्ययनों में आशंका जताई गई थी कि लंबी अवधि की कसरत हृदय को नुकसान पहुंचा सकती है। यह चिंता मुख्य रूप से लंबी अवधि की कसरत के बाद लिए गए रक्त नमूनों पर आधारित थी। मैराथन के बाद कई धावकों के खून में ट्रोपोनिन नामक पदार्थ का स्तर बढ़ जाता है। ट्रोपोनिन तब निकलता है जब हृदय की मांसपेशियों पर अधिक दबाव या तनाव पड़ता है। डॉक्टर आमतौर पर दिल के दौरे का पता लगाने के लिए ट्रोपोनिन के स्तर का उपयोग करते हैं।

गुवाहाटी में गरजे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

असम ही नहीं पूरे देश में बांग्लादेशी घुसपैठियों की करेंगे पहचान

असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम के एक दिन के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। शाह ने पहले असम के नगांव जिले में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान बटाद्रवा का उद्घाटन किया। बटाद्रवा को 227 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पवित्र मार्गेरिटा और राज्य के संस्कृति मंत्री बिमल बोरा मौजूद रहे। दौरे की शुरुआत गुवाहाटी में 'शहीद स्मारक क्षेत्र' में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करके की।

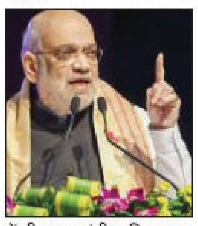

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

अमित शाह ने 'ज्योति-बिष्णु अंतर्जातिक कला मंदिर' का उद्घाटन किया

291 करोड़ की लागत से तैयार नया सभागार

शाह ने असम के गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सबसे बड़े सभागार 'ज्योति-बिष्णु अंतर्जातिक कला मंदिर' का उद्घाटन किया। 291 करोड़ की लागत से निर्मित इस सभागार में 5,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है और 14.85 एकड़ भूमि में स्थापित परिसर का हिस्सा है। शाह ने गुवाहाटी पुलिस आयुक्त कार्यालय के 111 करोड़ की लागत से निर्मित नए भवन और शहर के लिए 2,000 सीसीटीवी कैमरों वाली निगरानी प्रणाली का उद्घाटन किया।

एक लाख बीघा जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई

बोरदुरवा में अमित शाह ने कहा, वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव ने 'एक भारत' का आह्वान किया था, जिसका अब पीएम नरेंद्र मोदी पालन कर रहे हैं। शाह ने दावा किया कि सरमा सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से 1 लाख बीघा से ज्यादा जमीन खाली करवाई है। हम न सिर्फ असम से बल्कि पूरे भारत से सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करेंगे।

कांग्रेस घुसपैठियों को आगे बढ़ाती रही

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने इतने वर्षों तक राज किया, लेकिन उसने असम आंदोलन में जान देने वालों के लिए कुछ नहीं किया। कांग्रेस पार्टी वर्षों तक घुसपैठियों को आगे बढ़ाती रही और 1983 में आईएमडीटी एक्ट लाकर उन्होंने घुसपैठियों को यहां बसने का कानूनी रास्ता बनाया।

संत शंकरदेव के जन्मस्थल का उद्घाटन किया

बटाद्रवा पहुंचने पर गृह मंत्री का 'गायन-बयान' (गायक और ढोल वादक) द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। शाह ने संत शंकरदेव के जन्मस्थल का पुनर्विकास के बाद उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद शाह केंद्रीय भवन में भी गए जहां 'गुरु आसन' (पूजनीय संत की सीट) रखी है। सीएम सरमा ने कहा कि यह परियोजना महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की विरासत का सम्मान करते हुए पूरी की गई है।

तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल पहुंचे

गृह मंत्री शाह पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार रात कोलकाता पहुंचे। वह अगले साल राज्य में होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। 30 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री मीडिया से बातचीत करेंगे। इसके अलावा वह मध्य कोलकाता स्थित इस्कॉन मंदिर और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यालय का दौरा करेंगे, जहां वे संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। अपने दौरे के अंतिम दिन 31 दिसंबर को अमित शाह कोलकाता में आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202512020700021

विषयः- अ-24

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः-2025-2026

सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [(हे०)]

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार अनुप कुमार सोनी, अनावेदक पक्षकार -छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदक अनुप कुमार सोनी आ० जनक प्रसाद सोनी निवासी ब्रम्हरोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 183/16 रकबा 0.058 हे० भूमि को शासन के पक्ष में त्यजन किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/12/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

अरावली खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया

कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया

अपने ही फैसले पर पर लगाई रोक केंद्र सरकार से मांगा स्पष्ट 'जवाब'

सोमवार को अवकाश पीठ में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि इस मामले में आगे की सुनवाई 21 जनवरी को होगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अरावली खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने पुराने फैसले पर रोक लगा दी। सरकार से स्पष्ट जवाब मांगते हुए शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि इस मामले में स्पष्टीकरण जरूरी है। बता दें कि कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की परिभाषा नए सिरे से तय किए जाने के इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 20 नवंबर के फैसले में दिए गए निर्देशों को स्थगित रखा जाएगा। अपने आदेश में अदालत ने कहा, इसमें कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर स्पष्टीकरण आवश्यक हैं। सोमवार को अवकाश पीठ में हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव भी रखा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि इस मामले में आगे की सुनवाई 21 जनवरी को होगी।

20 नवंबर के फैसले में दिए निर्देशों को स्थगित रखा

21 जनवरी को होगी मामले में आगे की सुनवाई

अरावली पहाड़ियां और सुप्रीम कोर्ट

केंद्रीय मंत्री यादव ने फैसले का किया स्वागत

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है। भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले और मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक नई कमेटी बनाने के निर्देशों का स्वागत करते हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय सुप्रीम कोर्ट के इस नई समिति को हर जरूरी सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि अभी भी अरावली क्षेत्र में नई खनन लीज देने या पुरानी लीज को नवीनीकरण करने पर पूरी तरह रोक जारी रहेगी। सरकार अरावली पहाड़ियों की सुरक्षा और दोबारा सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस ने फैसले को उम्मीद की किरण बताया

कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। पार्टी ने केंद्र सरकार और खास तौर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव पर हमला बोलते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उम्मीद की एक किरण है।

24 दिसंबर को जारी हुए थे नए निर्देश

24 दिसंबर को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नए निर्देश जारी किए थे। इनमें केंद्र सरकार ने कहा है कि नए खनन के लिए मंजूरी देने पर रोक संपूर्ण अरावली क्षेत्र पर लागू रहेगी। इसका उद्देश्य अरावली रेंज की अखंडता को बचाए रखना है। इन निर्देशों का लक्ष्य गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली एक सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में अरावली का संरक्षण करना और सभी अनियमित खनन गतिविधियों को रोकना है।

आईसीएफआरई बना रही थी योजना

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) से कहा गया है कि पूरे अरावली क्षेत्र में ऐसे अतिरिक्त क्षेत्रों की पहचान की जाए, जहां पर खनन पर रोक लगनी चाहिए। यह उन क्षेत्रों के अतिरिक्त रहे, जहां पर केंद्र ने पहले से खनन पर प्रतिबंध लगा रखा है।

ठाकरे ने स्थाई राहत की जताई उम्मीद

शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने फैसले का सोमवार को स्वागत करते हुए कहा कि यह राहत बहुत बड़ी है, लेकिन इसे स्थायी बनाया जाना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह भी जरूरी है कि लोग अरावली पहाड़ी के सुरक्षित होने के बारे में फैलाई जा रही गलत सूचना के झांसे में न आएं। अरावली पर्वतमाला के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय का स्थगन आदेश एक बड़ी लेकिन अस्थायी राहत है। इस पर स्थायी मुहर लगना चाहिए।

त्रिपुरा के छात्र एंजेल की हत्या का मामला

सीएम धामी बोले- आरोपियों को सख्त सजा दिलाकर रहेंगे

मृतक एंजेल चकमा

सीएम धामी

एजेंसी ⏭ देहरादून

त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की देहरादून में हुई हत्या के बाद उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उसके पिता तरुण प्रसाद चकमा से फोन पर बातचीत की और उन्हें उनके बेटे के आरोपियों को सख्त सजा दिलाने का आश्वासन दिया। धामी नेएंजेल की हत्या पर दुःख व्यक्त किया और कहा कि इस घटना से वह व्यक्तिगत तौर पर दुखी हैं। सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगी।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नाबालिगों समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी यज्ञराज अवस्थी, जो नेपाल का रहने वाला है, अभी फरार है। उस पर 25,000 रुपए का इनाम रखा गया है। उसे भी गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सरकार पीड़ित परिवार के संग

सीएम धामी ने कहा कि घटना के संबंध में उनकी त्रिपुरा के सीएम डॉ. माणिक साहा के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी बात हुई है। धामी ने जोर देकर कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि परिवार की सहायता के लिए वह डॉ. साहा से बातचीत करेंगे और साथ ही उत्तराखंड सरकार भी परिवार की हर संभव सहायता करेगी। यहां के एक निजी विश्वविद्यालय में एमबीए अंतिम वर्ष के 24 वर्षीय छात्र एंजेल चकमा को नौ दिसंबर को कुछ युवकों द्वारा कथित तौर पर चाकू और कड़े से वार कर गंभीर रूप रूप से घायल कर दिया गया था। अस्पताल में 17 दिन तक भर्ती रहने के बाद 26 दिसंबर को उसकी मौत हो गई थी।

भाजपा राज में नफरत सामान्यः राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एंजेल चकमा की हत्या की कड़ी निंदा की है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी ने नफरत को सामान्य बना दिया है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं। देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह नफरत का एक भयावह उदाहरण है। वहीं, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि वे नफरत भरे अपराधों के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने यह भी कहा कि इसकी भी जांच होनी चाहिए कि पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने में 12 दिन क्यों लगे?

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/./अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका लिली पति स्व० विपिन किशोर मेहता उम्र 68 वर्ष निवासी जोड़ा पीपल के पास केदारपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-03 मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 831/6, 831/7 रकबा कमशः 3484, 1309 वर्गफीट को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-09/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-26/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

संदीप दीक्षित का हुआ राजनीतिक पुनर्वास

मिली 'रचनात्मक कांग्रेस' की कमान, लोगों से संवाद करेंगे

⏭ नई दिल्ली

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने संगठनात्मक स्तर पर एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए संदीप दीक्षित को रचनात्मक कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इससे पहले यह इकाई आउटरीच सेल के नाम से जानी जाती थी। पूर्वी दिल्ली के सांसद, सीएम रहीं शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित का लंबे समय के बाद राजनीतिक पुनर्वास हुआ है। अब उन्हें एक प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी देकर उनके नेतृत्व को कसौटी पर कसने का काम शीर्ष नेतृत्व ने किया है। रचनात्मक कांग्रेस को एक समर्पित मंच के रूप में विकसित करने का निर्णय शीर्ष नेतृत्व ने लिया है, जिसका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों से सार्थक संवाद स्थापित करना है।

आयुष दवाओं की गुणवत्ता पर कदम

108 लैब्स को मिली जांच की मंजूरी, कार्यक्षमता की मजबूत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया है कि देशभर में आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी दवाओं की गुणवत्ता जांच के लिए 108 प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी गई है। ये सभी लैब्स ड्रग्स रूल्स, 1945 के प्रावधानों के तहत स्वीकृत या लाइसेंस प्राप्त हैं। उन्होंने बताया कि 34 राज्य स्तरीय ड्रग टेस्टिंग लैब्स को उनके इंफ्रास्ट्रक्चर और कार्यक्षमता को मजबूत करने के लिए सहयोग दिया गया है। इसके साथ ही सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज के तीन क्षेत्रीय शोध संस्थानों को भी ड्रग्स रूल्स, 1945 के तहत मंजूरी मिली है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं की निगरानी के लिए फार्मा को विजिलेंस प्रोग्राम लागू किया गया है जो केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

नए साल पर 'बजरंग सेतु' की सौगात

ऋषिकेश। उत्तराखंड में नए साल की शुरुआत के साथ ही ऋषिकेश के लोगों और देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। यह सेतु 1929 में बना ऐतिहासिक लक्ष्मण झूला की जगह लेगा। गंगा नदी पर निर्माणाधीन अत्याधुनिक बजरंग सेतु को जल्द ही आम जनता के लिए खोलने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार, पुल का निर्माण कार्य 26 जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। करीब 132 मीटर लंबे इस आधुनिक सस्पेंशन ब्रिज की निर्माण लागत लगभग 68 करोड़ रुपए है।

एक्स पर लिखे माफीनामे में कहा, मेरे बयान को गलत समझा, मैं माफी चाहता हूं

जब सरकार ने दिखाए तेवर तो बदल गए भगोड़े ललित मोदी के सुर, छेड़ा 'माफी राग'

⏭ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व अध्यक्ष और देश के भगोड़े आर्थिक अपराधी ललित मोदी को बीते दिनों लंदन में हुई विजय माल्या की जन्मदिन पार्टी में सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड करने के चक्कर में लेने के देने पड़ गए। अंत में इसके लिए उन्हें सोमवार को न केवल भारत की सरकार से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। बल्कि ये भी कहना पड़ा कि उनके बयान को सही ढंग से समझने में चूक हुई है, बयान में उनका आशय किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। दरअसल, मोदी ने माल्या की जन्मदिन में बनाए गए वीडियो को 22 दिसंबर को एक्स अकाउंट पर साझा करते हुए देश की सरकार और जांच एजेंसियों पर एक प्रकार से तंज कसते हुए कहा था कि हम दोनों (ललित मोदी, विजय माल्या) भारत के दो सबसे बड़े भगोड़े हैं।

ललित मोदी (बाएं), विजय माल्या (दाएं)

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलाश

ललित मोदी ने लिखा कि अगर मेरे बयान से किसी की भावनाओं को (भारत सरकार) ठेस पहुंची हो तो मैं उसके लिए माफी चाहता हूं। मेरे बयान का वो अर्थ कतई नहीं था, जैसा कि उसे समझा गया। किसी भी तरह की गलतफहमी के लिए मैं पुनः क्षमा चाहता हूं। बता दें, आईपीएल के संस्थापक व भगोड़े आर्थिक अपराधी ललित मोदी को भारतीय जांच एजेंसियों को 1999 के फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के उल्लंघन व मनीलॉड्रिंग के मामले को लेकर तलाश है।

ओलचिकी लिपि के शताब्दी समारोह में शामिल हुई राष्ट्रपति मुर्मू

परंपरागत ज्ञान, संस्कृति और अस्मिता को संरक्षित करना जरूरी

एजेंसी ⏭ रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मूने सोमवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के करनडीह स्थित आदिवासी पूजास्थल 'दिशोम जाहेरथान' परिसर में संथाली भाषा की ओलचिकी लिपि के शताब्दी समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए परंपरागत ज्ञान, संस्कृति और अस्मिता को संरक्षित रखने का आह्वान किया। उन्होंने ओलचिकी लिपि के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने संथाली भाषा में करीब तीन मिनट तक पारंपरिक 'नेहोर गीत' गाया। उन्होंने कहा कि यह प्रार्थना गीत उन्होंने बचपन में सीखा था, जिसमें 'जाहेर आयो' (प्रकृति माता) से समाज को सदैव उजाले के मार्ग पर ले जाने की कामना की गई है।

मुर्मू ने संथाली भाषा में पारंपरिक 'नेहोर गीत' गाया

राष्ट्रपति ने संथाली भाषा में ही अपना पूरा संबोधन दिया

संथाली भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करें

शताब्दी समारोह का उद्घाटन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

उन्होंने जोर दिया कि संथाली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने के बाद यह आवश्यक है कि देश के नियम-कानून और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी संथाली भाषा में समाज के लोगों तक पहुंचे।

आदिवासियों के विकास में करेंगे सहयोग

समारोह को राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि लोकभवन के द्वार आम लोगों के लिए सदैव खुले हैं और आदिवासियों के विकास से जुड़े हर प्रयास में लोक भवन सहयोग करेगा। सीएम सोरेन ने भी संथाली भाषा, संस्कृति और आदिवासी पहचान के संरक्षण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

संथाली लेखकों के योगदान को सराहा

आदिवासी समाज के स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा में संथाली लेखकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना करते हुए मुर्मू ने कहा कि आप अपने दैनिक जीवन से समय निकालकर ओल चिकी लिपि और संथाली भाषा के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं और ओलचिकी लिपि के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू के अधूरे सपनों को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने ओलचिकी लिपि में संविधान के प्रकाशन को एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सामाजिक आयोजनों से मजबूत होता है आपसी जुड़ाव और युवाओं को मिलती है प्रेरणा: मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज विकासखंड कांसाबेल के ग्राम ढूढरूडांड में आयोजित अखिल भारतीय आदिवासी कंवर समाज विकास समिति के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज के उत्थान हेतु समर्पित भाव से कार्य कर रहे पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की प्रशंसा करते हुए उनके योगदान को सराहा। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती गोमती साय, पूर्व सांसद नन्द कुमार साय, पूर्व संसदीय सचिव भरत साय, जिला पंचायत सदस्य गेंद बिहारी सिंह, कलेक्टर रोहित व्यास विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज आपसी जुड़ाव को मजबूत करते हैं। वरिष्ठजनों एवं समाजसेवियों से युवाओं को प्रेरणा मिलती है, जिससे वे एक अच्छे नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र की सेवा में अग्रसर होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है। सरकार के गठन के साथ ही पहली कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। किसानों के हित में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की जा रही है। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना के माध्यम से अब तक 70 लाख महिलाओं को 22वीं किस्त प्रदान की जा चुकी है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 5500 रुपये का भुगतान किया जा रहा है तथा चरण पादुका का वितरण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा सभी के लिए अत्यंत आवश्यक है और छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय महत्व के आईआईटी, एम्स, आईआईआईटी, लॉ यूनिवर्सिटी सहित 15 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं। युवाओं को इन संस्थानों का अधिकतम लाभ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि

नई उद्योग नीति के तहत राज्य को 7.83 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस नीति में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्गों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, ताकि यह वर्ग भी व्यापार एवं उद्योग के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ सके। जिले में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार हेतु मेडिकल कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज तथा शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद तेजी से समाप्ति की ओर है। नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से नक्सल प्रभावित एवं दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। खेलों के क्षेत्र में सन्ना में तीरंदाजी अकादमी का निर्माण करने सहित खेल मैदानों का भी विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का अवसर छत्तीसगढ़ को मिला है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त एवं सुसंस्कृत नागरिक बनाने पर भी जोर देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने कहा कि समाज को सभी क्षेत्रों में मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को समर्पण भाव से कार्य करना होगा। यदि समाज के बुजुर्ग एवं जागरूक नागरिक संकल्प लें, तो समाज के साथ-साथ देश भी तेजी से प्रगति करेगा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कंवर समाज के महासचिव अशोक पैंकरा, अखिल भारतीय आदिवासी कंवर समाज उत्तरी क्षेत्र-ढूढरूडांड के अध्यक्ष विष्णु प्रसाद साय, सचिव राजेश पैंकरा, कोषाध्यक्ष गुलसागर साय सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

322 विधानसभा शहरी में जूनियर-सब जूनियर खेल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गोरखपुर।322 विधानसभा शहरी क्षेत्र के अंतर्गत जूनियर व सब-जूनियर वर्ग की खेल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबाल, जूडो एवं कुश्ती जैसी प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। कार्यक्रम का आयोजन वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर में हुआ, जहां खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर खेल प्रतिभा का परिचय दिया। कुश्ती प्रतियोगिता में शुभम यादव (बिछिया) और अनुराग के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें शुभम यादव ने शानदार जीत दर्ज कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं कबड्डी का फाइनल मुकाबला रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम और नीना थापा टीम के बीच खेला गया, जिसमें रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम की टीम ने फाइनल जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि ह्लजीवन में सफलता का हर मार्ग खेल से होकर गुजरता है। खेल न केवल शारीरिक विकास करता है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करता है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आने वाले समय में वार्ड स्तर पर भी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे ग्रामीण व शहरी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

कल्याण आश्रम का जनजातीय समाज सेवा एवं संरक्षण में अमूल्य योगदान: विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि वनवासी कल्याण आश्रम का जनजातीयों की सेवा और उनके संरक्षण की दिशा में अमूल्य योगदान है। उन्होंने कहा कि आश्रम का उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की धर्म-संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करते हुए उनके सर्वांगीण विकास को गति देना है। वे आज जशपुर जिले के ग्राम दोकड़ा अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 1 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से होने वाले 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमें 95 लाख रुपये की लागत से दोकड़ा में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के चिकित्सालय भवन, 10-10 लाख रुपए के दो आरसीसी पुलिया, 20-20 लाख रुपए दो सामुदायिक भवन एवं 20 लाख रुपए की लागत के स्वागत द्वार निर्माण कार्य शामिल हैं। श्री साय ने कार्यक्रम में आगे कहा कि दोकड़ा में वनवासी कल्याण आश्रम की शुरूआत वर्ष 1986 में एक छोटे से अस्पताल प्रकल्प के रूप में हुई थी। आश्रम से जुड़े

सेवाभावी कार्यकताओं ने तन-मन-धन से जुड़कर क्षेत्र के लोगों की सेवा की और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हुए भूमिपूजन से बड़े और सुसज्जित अस्पताल भवन के निर्माण से अंचल के जनजातीय समाज को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष की सभी नागरिकों को बधाई देते हुए बताया कि फरसाबहार में मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार नर्सिंग कॉलेज और फिजियोथेरेपी कॉलेज की भी स्थापना की जाएगी, उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बगिया सिंचाई योजना प्रारंभ की जा रही है, जिससे 14 ग्रामों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के लिए 2800 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिससे किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम को विधायक श्रीमती गोमती साय और अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय महामंत्री योगेश बापट ने भी सम्बोधित किया और अस्पताल भवन के लिए 95 लाख की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने 5.74 करोड़ रूपए के सड़क निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के वनांचल और ग्रामीण क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए 5 करोड़ 74 लाख 87 हजार रुपये की लागत से तीन महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इन सड़क निर्माण कार्यों से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ-साथ विकास को भी नई गति मिलेगी। श्री शर्मा ने सर्वप्रथम मेन रोड से ग्राम कटगो तक 3 करोड़ 35 लाख रूपए लागत की 6.81 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य का

भूमिपूजन किया। इस सड़क के निर्माण से वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से निजात मिलेगी और ग्रामीणों का मुख्य मार्ग से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री ने मेन रोड से खिरसाली तक 1 करोड़ 36 लाख 50 हजार रूपए लागत के 4 किमी लंबी सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया। वहीं मेन रोड से लाटा तक 1 करोड़ 02 लाख 90 हजार रूपए लागत की 2.80 किमी लंबे सड़क निर्माण कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन किया। श्री शर्मा ने ग्रामीणों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ग्रामीण विकास को लेकर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम कटगो में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कुल 263 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनका निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि गांवों में अधोसंरचनात्मक विकास को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को यह भी जानकारी दी कि आगामी नववर्ष के अवसर पर 01 जनवरी को भोरमदेव कॉरिडोर का भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर के निर्माण से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और कवर्धा जिले को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने सभी ग्रामवासियों को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य लोकचंद साहू, राम किंकर वर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का 01 जनवरी को होगा शुभारंभ

जन-जागरूकता के लिए होंगे विविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन

1 जनवरी को रायपुर में बाइक रैली का होगा आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। लोगों को सड़क सुरक्षा की गंभीरता, चुनौतियों और नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सहित सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का आयोजन 1 से 31 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। इस दौरान राज्य के सभी जिलों में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जिलों में सड़क सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्र जांच शिविर, स्कूल डे आयोजन, स्कूली बच्चों के लिए स्लोगन, निबंध, चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, ई-रिक्शा, ऑटो व बस चालकों का प्रशिक्षण, एम्बुलेंस ड्राइविंग ट्रेनिंग, वाहनों की फिटनेस एवं रेडियम स्ट्रिप्स की जांच/संधारण, शराब सेवन कर वाहन चलाने से होने वाले नुकसान पर रैली, ग्राम चौपालों में जन-जागरूकता कार्यक्रम, गंभीर सड़क दुर्घटना स्थलों का चिन्हांकन एवं सड़क सुरक्षा मितानों का प्रशिक्षण जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त युवाओं के लिए एरोबिक्स-जुंबा के माध्यम से 'स्वस्थ शरीर - स्वस्थ मन, सुरक्षित जन' थीम पर कार्यक्रम, हेलमेट धारी वाहन चालकों को प्रोत्साहन स्वरूप टॉफी वितरण तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विविध गतिविधियां भी आयोजित होंगी। 1 जनवरी 2026 को सर्किट हाउस रायपुर के समीप शाम 5:00 बजे सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष अभय मनोहर सप्रे की उपस्थिति में जनजागरूकता के लिए हेलमेट एवं बाइक रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, हेलमेट उपयोग और सुरक्षित वाहन संचालन का संदेश देगी।

मुख्यमंत्री ने सामरबार में संत श्री बभ्रुवाहन महाराज से की भेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री ने आज बगीचा विकासखंड के ग्राम सामरबार स्थित संत गहिरा गुरु आश्रम पहुंचकर गुरु पीठाधीश्वर संत श्री बभ्रुवाहन सिंह महाराज से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संत श्री से उनका कुशलक्षेम जाना तथा आश्रम की शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं सामाजिक गतिविधियों की जानकारी ली। श्री साय ने संत गहिरा गुरु आश्रम की शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान समाज को सही दिशा देने के साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, जिला पंचायत

अध्यक्ष श्री सालिक साय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने पूज्य गहिरा गुरु महाराज के अनुयायियों सहित कंवर समाज, साहू समाज, विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समाज, रौतिया, बिझिया, यादव, नागवंशी, गौड़, उरांव समाज सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों, आश्रम के ट्रस्टी, आश्रम प्रमुख और आमसभा के सदस्यों से भी भेंट कर संवाद किया। उल्लेखनीय है कि जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड अंतर्गत ग्राम सामरबार में स्थित संत गहिरा गुरु आश्रम क्षेत्र का प्रमुख आध्यात्मिक एवं शैक्षणिक केंद्र है। यहां शासकीय संत रामेश्वर गहिरा गुरु जी महाविद्यालय एवं प्राच्य संस्कृत का आवासीय विद्यालय संचालित है, जहां गरीब, आदिवासी, पिछड़े एवं दलित वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है।

विष्णुदेव साय ने 40.25 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री आज विकासखंड कांसाबेल के ग्राम ढुढरुडांड में आयोजित अखिल भारतीय आदिवासी कंवर समाज विकास समिति के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में 40.25 करोड़ रूपए लागत के 18 विकासकार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें 13.56 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 9 विकासकार्यों का लोकार्पण और 26.68 करोड़ 68 रुपए लागत के 9 विकासकार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय, पूर्व सांसद नन्द कुमार साय, पूर्व संसदीय सचिव भरत साय, जिला पंचायत सदस्य गेंद बिहारी सिंह सहित कंवर समाज

के पदाधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्थलगांव विकासखण्ड में जिन नवनिर्मित कार्यों का भूमिपूजन किया उनमें 2.71 करोड़ रूपए लागत से ग्राम आमाटोली में 100 सीटर बालक छात्रावास भवन, 3.04 करोड़ रुपए लागत से ग्राम पंचायत पंगसुवा दरापारा तक सड़क, 2.35 करोड़ रुपए लागत से सराईटोला से बरपारा पहुंच मार्ग, 3.06 करोड़ लागत से पालीडीह बस्ती से लाखझार तक सड़क, 6.34 करोड़ लागत से कराजौर से होते हुए बरपारा, धनुपारा से काडरो पहुंच मार्ग, 2.73 करोड़ रुपए लागत से बंधनपुर से छातासराई तक पहुंच मार्ग, 2.16 करोड़ रुपए लागत से सूरजगढ़ के मिडिल स्कूल पक्की सड़क से लुडेग गौठान तक पहुंच मार्ग, 2.01 करोड़ लागत के तिलडेगा अटल चौक से आमाकानी पहुंच मार्ग और 2.25 करोड़ रुपए लागत से एस.टी.पी. निर्माण कार्य शामिल है। इसी तरह जिन नवनिर्मित कार्यों का लोकार्पण किया उनमें विकासखण्ड कांसाबेल में 2.63 करोड़ रुपए लागत से कांसाबेल के कोरंगा बस्ती से ग्यारटोली पहुंच मार्ग, 1.07 करोड़ रुपए लागत से छुरीटोली से अलंगीझार पहुंच मार्ग, 1.97 करोड़ रुपए लागत से करंजटोली डाड़ीडिपा होते हुए चक्रधर नगर पहुंच मार्ग, 1.72 करोड़ रुपए की लागत से कोरंगा बस्ती से खैरवारटोली पहुंच मार्ग, 4.28 करोड़ रुपए की लागत से मुसकुटी से मुख्य मार्ग पहुंच मार्ग, 3 करोड़ रुपए की लागत से करंजटोली-रजौटी पहुचं मार्ग 1.23 करोड़ रुपए की लागत से घोघरा के चौक से फरसाटोली मेन रोड पहुंचमार्ग, 10 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड, नक्टीमुंडा और 54.01 लाख रुपए की लागत से पत्थलगांव में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), कार्यालय भवन शामिल है।

कांग्रेस देश के निर्माण हेतु आजादी से पहले लड़ी और अब अत्याचार और अराजकता से लड़ रही है : भूपेश

0 कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे पूर्व सीएम श्री बघेल का जिले की सीमा से सम्मेलन स्थल तक हुआ भव्य स्वागत 0 पूर्व सीएम ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर साधा निशाना 0 बोले-.हमने रोजगार के नए अवसरों का सृजन किया, ये बंटाधार करने में लगे हैं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे सूबे के पूर्व मुखिया व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल का जिले की सीमा से सम्मेलन स्थल तक भव्य स्वागत हुआ। स्थानीय सेवाकुंज में आयोजित नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शशि सिंह के प्रथम कार्यकर्ता सम्मेलन में श्री बघेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारियों व जिले से आये बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के बीच कांग्रेस के आयोजन से जिले का सियासी पारा भी बढ़ गया। इस दौरान श्री बघेल ने बताया कि उनकी सरकार ने पांच वर्षों में 95 नई विकास योजनाओं से नवा छत्तीसगढ़ गढ़ा था। अब ये सरकार उन योजनाओं को बंद करने में लगी है। चहूंओर अराजकता का वातावरण है, रोजगार, भर्ती सब बंद है और सभी विभागों में गड़बड़ी का आलम है। अधिकारी-कर्मचारी, महिला, युवा, मजदूर, किसान सभी आंदोलन के रास्ते पर हैं। आज लड़ाई लड़ने की आवश्यकता है और इसे कांग्रेस पार्टी अपने तरीके से लड़ेगी।

गरीब, जनता, व्यापारी, महिला, युवा, किसान, मजदूर सभी के साथ कांग्रेस खड़ी है। श्री बघेल ने भाजपा की सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमने स्कूल खोले और ये बंद कर रहे हैं, हमने गौठान खोला इन्होंने बंद कर दिया, हमने रोजगार के नए अवसरों का सृजन किया, ये बंटाधार करने में लगे हैं। आज मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है और अब मनरेगा को भी षड़यंत्रपूर्वक बंद करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी की विचारधारा से अवगत कराते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के निर्माण के लिए आजादी से पहले लड़ी और अब जब अत्याचार और अराजकता का वातावरण है, तब भी लड़ रही है। विभिन्न विभागों में हो रही गड़बड़ियों और कई मामलों को लेकर श्री बघेल ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने किसानों की दुखती रग पर हाथ रखते हुए कहा कि आज किसान धान बेचने के लिए मण्डियों और केन्द्रों में चक्कर लगा रहे हैं। इस दौरान सरकार के द्वारा किए जा रहे निजीकरण को लेकर भी श्री बघेल ने कटाक्ष करते हुए राज्य व केन्द्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व मंत्री तुलेश्वर सिंह को भी याद करते हुए मंच से पूर्व विधायकों व जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शशि सिंह को सहयोग और मदद कर कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान किया। इसके पूर्व पारंपरिक सुआ, सैला व करमा नर्तक दलों ने पारंपरिक स्वागत किया व सूरजपुर सीमा पर संजयनगर में विक्की समद्दार, सिलफिली में अभय कुमार व मिक्का, जयनगर में वेद मिश्रा, बिश्रामपुर संजीत यादव, नरेन्द्र जैन, सोमू सिंह, टोल प्लाजा में अभिषेक श्रीवास्तव ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ श्री बघेल का स्वागत किया। सूरजपुर में कार्यक्रम के उपरांत जिला महासचिव संजय डोसी व अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष जीएस मिश्रा, जिलाध्यक्ष शशि सिंह के शिवपुर निवास व रामानुजनगर में कांग्रेस नेता इस्माईल खान के निवास पर भी पहुंचे और भेट मुलाकात की। सूरजपुर जिला सम्मेलन में आयोजित कार्यक्रम का सफल संचालन सुनील अग्रवाल व आभार प्रदर्शन मेहंदी यादव ने किया। इस दौरान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े, पूर्व जिलाध्यक्ष विन्ध्येश्वर शरण सिंह, कांग्रेस नेता दानिश रफीक के साथ संजय डोसी ने स्वागत उद्बोधन व शशि सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। समारोह के दौरान सूरजपुर जिले के प्रतापपुर, ओड़गी, बिहारपुर, भैयाथान, सलका, लटोरी, सूरजपुर, रामानुजनगर, प्रेमनगर विकासखण्ड व नगरीय निकायों से बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की। वहीं पूर्व विधायक भानू प्रताप सिंह, खाद्य आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजू बाबा, जिपं सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, विद्यासागर सिंह, अशोक जगते, नजीर अजहर, चन्द्रदत्त दुबे, योगेश शुक्ला, वेदांती तिवारी, नवीन जायसवाल, संजू श्रीवास्तव, प्रवेश गोयल, रावेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदीप साहू, महेन्द्र साहू, आनंद कुंवर, विमला सिंह, आलोक साहू, तुलसी सिंह, संतोष पावले, चन्द्रभान सिंह, अरविंद यादव, रामलखन सिंह, विकास सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, संजीत यादव, गोरखनाथ पाठक, संजय यादव, रामकुमार सिंह, त्रिभूवन सिंह, जगत आयाम, अनिल गुप्ता, कंचन सोनी, संजय यादव, अवधेश गुर्जर, गोवर्धन सिंह, अवल बिहारी टेकाम, आनंद चौधरी, राजू गुप्ता सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी मंचासीन थे। श्री बघेल के साथ रायपुर, दुर्ग, महासमुंद, भाटापारा, बिलासपुर व अन्य जिलों से भी कांग्रेस के संगठन पदाधिकारियों ने सम्मेलन में शिरकत की।

आदिवासी समाज ने किया पारंपरिक तीर-धनुष से स्वागत

सम्मेलन के दौरान जिले के आदिवासी समाज ने श्री बघेल का पारंपरिक वेशभूषा में तीन-धनुष से सम्मान करते हुए आदिवासी परंपरा से उनका जिले में अभिनंदन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के पदाधिकारी व कांग्रेस संगठन के आदिवासी नेता उपस्थित रहे।

जल्द तैयार होगा आपके जिले का राजीव भवन

जिलाध्यक्ष शशि सिंह के आह्वान पर श्री बघेल ने कहा कि जल्द ही सूरजपुर जिले का राजीव भवन तैयार होगा। इसमें होने वाले खर्च की आधी राशि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से प्रदान होगी तथा आधी राशि स्थानीय स्तर पर सहयोग निधि से लेने के लिए उन्होंने जिला कांग्रेस के द्वारा जारी सहयोग निधि पत्र पर स्वयं भी एक लाख रूपए की राशि देते हुए भवन निर्माण की दिशा को प्रशस्त किया और राजीव भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष पद पर कांग्रेस नेता सुनील अग्रवाल को नियुक्त कर जिम्मेदारी सौपी।

राजनैतिक दलों को प्राप्त दावा आपत्ति सूची की गई प्रदाय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसम्बर को किये जाने के उपरांत प्रारंभिक प्रकाशन तिथि 23 दिसम्बर से 22 जनवरी 2026 तक दावा आपत्ति प्राप्त किया जाना प्रारंभ हो गया है। आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं से प्राप्त दावा आपत्तियों को साप्ताहिक निर्धारित प्रारूप में अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसील कार्यालय के नोटिस बोर्ड में चस्पा करते हुये जिला सूरजपुर के वेबसाईट में उक्त सूची को प्रदर्शित किया गया है। मतदाताओं से प्राप्त साप्ताहिक दावा आपत्तियों के संबंध में विधानसभा क्षेत्र 4 प्रेमनगर, 5 भटगांव एवं 6 प्रतापपुर के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आहूत कर राजनैतिक दलों को प्राप्त दावा आपत्ति की सूची प्रदान किया गया है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 1,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक : 04/व.ले.लि./2025-26 दिनांक 22.12.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 12.01.2026 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

ग्रुप क्र.	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	182073	पंडरीडांड जलाशय योजना के बांध का जीर्णोद्वार एवं नहर में सी.सी. लाईनिंग व 03 नग स्ट्रक्चरों का निर्माण कार्य।	रु. 301.44 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
2	182074	कुंवरनाला स्टापडेम सह पुलिया निर्माण कार्य।	रु. 216.48 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
3	182075	जजगा गोठान के पास एनीकट सह पुलिया निर्माण का कार्य।	रु. 287.75 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
4	182076	डांडगांव जलाशय योजना के बांध का जीर्णोद्वार एवं नहर में सी.सी. लाईनिंग व 07 नग स्ट्रक्चरों का निर्माण कार्य।	रू. 294.90 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.06.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 1,
अम्बिकापुर (छ.ग.)
कृते- मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी-252605726/1

अनुकंपा नियुक्ति पर 9 का पटवारी प्रशिक्षण हेतु हुआ चयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों के 09 सदस्यों को तृतीय श्रेणी पटवारी पद के लिए जिला स्तरीय अनुकंपा नियुक्ति चयन समिति के अनुशंसा अनुसार योग्य पाये जाने पर सर्शत पटवारी प्रशिक्षण हेतु चयन किया गया है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख द्वारा जारी आदेश के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों में तबस्सुम खान, श्रीमती अंजुला नामदेव, प्रखर कुमार रवानी, रिषभ कुमार पटेल, रविकांत सिंह, बबन कुमार कंदरा, साक्षी सिंह, सुश्री रितमभरा सिंह एवं संतोष सिंह शामिल हैं। उक्त अभयर्थियों को डिप्टी कलेक्टर रमेश मोर व सुनिल अग्रवाल, भू-अधीक्षक श्रीमती भूपेंद्र बंजारे की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने सभी अभयर्थियों को उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनायें दी गई।

दूसरे दिन भी जारी रहा फेडरेशन का आंदोलन, ठप्प रहे दफ्तरों कार्य, आज अंतिम दिवस हड़ताली कर्मचारी करेंगे जंगी प्रदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी रही। इस हड़ताल से कार्यालयों में आज भी सन्नाटा पसरा रहा। फेडरेशन अपने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर तीन दिन का पूर्ण कामबंद और कलमबंद आंदोलन करने का ऐलान किया है। दूसरे दिन भी जिले के बड़ी संख्या में कर्मचारी अधिकारी आंदोलन स्थल पर डटे रहे। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार कर्मचारी अधिकारी को लगातार उपेक्षित कर रहा है। पूर्ववर्ती सरकार जिस रास्ते पर चल रही थी,उसी रास्ते पर वर्तमान सरकार भी अग्रसर है। सरकार को याद रखना होगा कि पूर्ववर्ती सरकार को कर्मचारियों की उपेक्षा का परिणाम भुगताना पड़ा है। सरकार के पास अभी भी समय है वे कर्मचारियों की जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय ले। सूरजपुर फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह ने बताया कि आंदोलन में कर्मचारियों की उपस्थिति उनके आक्रोश का सबूत है।आज दूसरे दिन सारे कार्यालयों में तालाबंदी की स्थिति है। चूंकि हमारा आंदोलन सांकेतिक रूप से तीन दिवस का ही है। अत: सरकार से आग्रह है हमारी मांगों पर सकारात्मक निर्णय ले। आंदोलन व वर्ष के अंतिम दिवस वृहद जंगी रैली निकाली जाएगी। फिर भी सरकार मांगों पर विचार नहीं करती है तो आने वाले नववर्ष में प्रदेश के समस्त अधिकारी कर्मचारी कार्यालयों में तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे। जिसका जिम्मेदार पूर्णत: सरकार का वादाखिलाफी रवैया होगा। ये हैं फेडरेशन की प्रमुख मांगें केंद्र के समान देय तिथि से कर्मचारियों व पेंशनरों को महंगाई भत्ता । वर्ष 2019 से लंबित महंगाई भत्ता एरियर्स को जीपीएफ में समायोजित करना। कैशलेश चिकित्सा सुविधा, सभी संवर्गों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान लिपिक, शिक्षक, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहि विभिन्न विभागों की वेतन विसंगति दूर करना तथा पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनि करना। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा लाभ की गणना सहायक शिक्षक, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को तृतीय समयमान सहित अन्य मांगें शामिल हैं। आंदोलन में फेडरेशन प्रमुख जिला संयोजक डॉ आर.एस. सिंह, प्रतिमा सिंह, इकबाल अंसारी, सचिन त्रिपाठी, निर्मल भट्टाचार्य, आदित्य शर्मा, आदेश रवि, अनुरंजन सिंह, विजय पैकरा, मनीष दीपक साहू, गोपाल विश्वकर्मा, राधेश्याम साहू, रमेश राजवाड़े, ज्योति साधना, विन्देश माया शर्मा, ममता मण्डल, राजकुमार सिंह, कमलेश यादव, प्रदीप सिंह, महावीर ठाकुर, रामनिवास साहू, कृष्णा सोनी, सतीश प्रताप, राकेश सेंकराज, अशोक सोनवानी, आर.बी.शुक्ला, विनोद रवि, नागेन्द्र यादव, धीरेंद्र उपाध्याय, वेदप्रकाश मेहता, संदीप रवि, रवि पैकरा, एनी मंजू, परमेश्वरी सिंह, प्रीति तिग्गा, शशि बेक, सीता रवि सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री लक्ष्मी के प्रयास से भटगांव विधानसभा में 150.56 करोड़ की लागत से 33 नई सड़को की मिली स्वीकृति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। कैबिनेट मंत्री और क्षेत्रीय विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सतत प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए क्षेत्र में 150.56 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति से भैयाथान और ओड़गी ब्लॉक के ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। स्वीकृति के अनुसार 33 सड़कों का निर्माण कार्य किया जाएगा। इसमें ओड़गी और भैयाथान ब्लॉक के कई ऐसे मार्ग शामिल हैं, जिनकी मांग लंबे समय से क्षेत्रवासी कर रहे थे। इन सड़कों के बनने से सुदूर वनांचल क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मुख्य मार्गों से हो जाएगी।।स्वीकृत कार्यों में 28.99 करोड़ की लागत से बनने वाली ओड़गी नवाटोला रोड 8.20 किमी से धुईडीह पंडोपारा सबसे प्रमुख है। इसके अलावा भवरखोह से जमड़ी 9.50 करोड़, खोंड नवापारा से केसर 8.73 करोड़, माड़र से भाड़ी नवापारा 8.38 करोड़ भैयाथान ब्लॉक में भौराही देवालय से शिवपुर मार्ग शामिल है। सड़क निर्माण कार्यों की स्वीकृति पर कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, क्षेत्र का विकास और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। 150.56 करोड़ की राशि से स्वीकृत ये सड़कें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देंगी। किसानों, छात्रों और आम नागरिकों को आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिलेगी। हम गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इन कार्यों की स्वीकृति से क्षेत्रवासियों में उत्साह है और विश्वास है कि मंत्री जी के नेतृत्व में जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी।

कलेक्टर ने राजस्व की बैठक में एस.आई.आर. कार्य की ली जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में एसआईआर का कार्य तय तय सीमा से पूर्व निर्धारित करने हेतु कलेक्टर एस.जयवर्धन ने राजस्व अमले को आवश्यक निर्देश दिये है। उन्होंने नो मैपिंग निर्वाचकों को नोटिस जारी करने एवं नोटिस तामिली किये जाने, लॉजिकल एरर वाले प्रकरणों में बीएललो द्वारा सुसंगत दस्तावेज, बीएलओ ऐप में अपलोड करने तथा इस सबंध में बीएलओ द्वारा घोषणा पत्र देने, दावा आपत्तियों की सूचि राजनैतिक दलों के साथ साझा किये जाने, फार्म -6 एवं फार्म -8 के साथ घोषणा पत्र के एकत्रीकरण के सबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मतदाता सूची को ऑनलाइन कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जयवर्धन ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे अपना नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से जांच लें। सूची में नाम नहीं होने पर नाम जुड़वाने हेतु दावा-आपत्ति 22 जनवरी तक किया जा सकता है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से आग्रह किया है कि मतदाता सूची में नाम जांचना बिल्कुल न भूलें।जिले के नागरिक अपने-अपने ग्राम पंचायत के बीएलओ के पास जाकर अथवा उपलब्ध ऑनलाइन माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए समय रहते मतदाता सूची में नाम की पुष्टि करना आवश्यक है। मतदाता ECINET App डाउनलोड कर अथवा Voters Portal (www.voters.eci.gov.in) पर जाकर मोबाइल नंबर एवं ओटीपी के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पोर्टल पर टैब के माध्यम से फॉर्म-06 एवं घोषणा पत्र भरने की सुविधा उपलब्ध है। मतदाताओं के लिए ऑफलाइन आवेदन की भी व्यवस्था है। ऑफलाइन आवेदन के लिए फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र संबंधित बीएलओ से प्राप्त कर भरकर उनके पास जमा किया जा सकता है। बैठक में सयुंक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, सभी एसडीएम व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

सोमवार की रात अंबिकापुर शहर का तापमान 3.5 डिग्री, ठंड से ठिठुर रहे लोग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शीतलहर का अलर्ट जारी है, सरगुजा संभाग के लोग इन दिनों ठंड से कांप रहे हैं। अंबिकापुर शहर में कड़ाके की ठंड का नया रिकॉर्ड बन रहा है। सोमवार की रात इस सीजन की सबसे सर्द रात रही। मंगलवार की सुबह धूप से राहत मिली, लेकिन शाम होते ही ठंड परवान पर रहा। इस दौरान अंबिकापुर शहर का तापमान 3.5 डिग्री रहा। जबकि पाट इलाकों में तापमान डेढ डिग्री के आस-पास बना हुआ है। ठंड की वजह से पत्तों, फूलों, घास व पुआल पर ओंस की बूंदें जम रही है। दिन में भी लोग गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। सरगुजा में कंपकंपाने वाली ठंड पड़ रही है। लोग ठिठुरन भरी रात गुजार रहे हैं। इसका असर बच्चों व बुजुर्गों की सेहत पर भी पड़ रहा है। इसी बीच सोमवार की रात अंबिकापुर का तापमान गिरकर 3.5 डिग्री पहुंच गया। यह शहर का इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा। मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल के अनुसार उत्तर दिशा की ओर से शुष्क हवाओं के आने का क्रम जारी है। इसलिए यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। वहीं 31 दिसंबर तक शीतलहर का अलर्ट जारी है, ठंड से अभी राहत की उम्मीद नहीं जताई जा रही है। शहर में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए नगर निगम द्वारा चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। लोग शाम व रात के अलावा दिन में भी अलाव के पास बैठे नजर आ रहे हैं। ठंड से बचने के लिए दिनभर में जहां गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं, वहीं अपने-अपने घरों में अलाव और रूम हीटर का भी सहारा ले रहे हैं।

शिक्षा विभाग में कुर्सी की जंग, बीईओ के पद पर दो लोगों का कब्जा

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। सरगुजा जिले के विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय लखनपुर में एक पद पर दो लोगों की पदस्थापना सुर्खियों में है। मामला लखनपुर विकासखंड का है, यहां आलोक सिंह और मनोज तिवारी बीईओ की कुर्सी पर डटे हैं। सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज तिवारी अपनी मूल पदस्थापना पर लौटने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है, जो जनचर्चा का विषय बना हुआ है। विभाग के आला अधिकारी कोई भी निर्णायक कदम उठा पाने की स्थिति में नहीं हैं। जिला शिक्षा अधिकारी और संयुक्त संचालक एक-दूसरे पर जिम्मेदारी का ठीकरा फोड़ रहे हैं। मामले की शुरुआत 18 जनवरी 2023 से हुई, जब मनोज तिवारी को शिक्षक (एलबी) के पद से प्रभारी एबीईओ के पद पर लखनपुर में नियुक्त किए गए। इनकी मूल पदस्थापना पूर्व माध्यमिक शाला ढोढाकेसरा में है, लेकिन युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के बाद उन्हें मूल पद पर लौटना था। बावजूद इसके वे लखनपुर बीईओ कार्यालय से हटने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक शिक्षा संजय गुप्ता ने इस मुद्दे पर डीइओ डॉ. दिनेश कुमार झा को पत्र लिखकर प्रभारी एबीईओ को हटाने आदेशित किया। डीईओ ने 26 दिसंबर 2025 को जवाबी पत्र में याद दिलाया कि प्रभारी एबीईओ की नियुक्ति का आदेश संयुक्त संचालक के कार्यालय से ही जारी हुआ था, इसलिए, वे खुद ही उन्हें हटा सकते हैं। इस पत्राचार से साफ है कि दोनों अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर टालमटोल की कोशिश कर रहे हैं। सरगुजा जिला प्रशासन से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि जल्द ही उच्चाधिकारियों की बैठक में इस पर फैसला लिया जा सकता है।

संक्रमित कुत्ते ने काटा था जिस बकरे को, बली चढ़ाकर उसका प्रसाद बांटने का लगा आरोप

400 से अधिक लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण, रेबीज की आशंका से ग्रामीण दहशत में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर से लगे ग्राम सरगवां में निकासी पूजा के दौरान रेबीज संक्रमित कुत्ते द्वारा काटे गए बकरे की बली देने और उसका मांस ग्रामीणों को प्रसाद के रूप में खिलाने का मामला सामने आया है, इसकी जानकारी मिलने पर प्रसाद ग्रहण किए लोगों की चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि बकरे का मांस करीब 400 ग्रामीणों ने खाया है। ग्रामीण सरपंच और उपसरपंच को कोसते अपना भड़ास निकाल रहे हैं। वहीं बकरा बेचने वाली महिला का कहना है कि 8 हजार रुपये में बेचे गए बकरा में कोई खराबी नहीं थी, वह बीमार नहीं था। नाखून का निशान देखकर उन्होंने बकरा को इंजेक्शन भी लगवाया था। जानकारी के मुताबिक 28 दिसंबर को ग्राम सरगंवा में परंपरागत निकासी पूजा का आयोजन किया गया था, और हर वर्ष की तरह बकरे की बलि दी गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि जिस बकरे की बलि दी गई, उसे कुछ दिन पहले एक रेबीज संक्रमित कुत्ते ने काटा था। गांव के सरपंच नारायण प्रसाद और उपसरपंच कृष्णा सिंह ने उसी बकरे का पूजा में बलि के लिए उपयोग किया गया। गांव की परंपरा के अनुसार निकासी पूजा में बलि दिए गए पशु का मांस पुरुष वर्ग द्वारा प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। 400 से अधिक ग्रामीणों ने बकरे का मांस खाया, बाद में पता चला कि जिस बकरे का प्रसाद उन्होंने ग्रहण किया है, उसे रेबीज संक्रमित कुत्ते ने काटा था। इसके बाद किसी प्रकार की स्वास्थ्यगत समस्या आड़े न आए, इसे लेकर हड़कंप की स्थिति बन गई है। बताया जा रहा है कि सरपंच और उपसरपंच ने गांव के ही नान्हू रजवाड़े नामक ग्रामीण से उक्त बकरे को खरीदा था। ग्रामीणों के द्वारा लगाए जा रहे आरोपों के बीच मामले में फिलहाल सरपंच और उपसरपंच कुछ भी कहने से बच रहे हैं। इधर गांव के लोगों में रेबीज संक्रमण को लेकर दहशत में हैं, वे मानसिक रूप से परेशान हैं। किसी भी संभावित खतरे से बचने के लिए इनके द्वारा गांव में तत्काल स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने पर जोर दिया जा रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य महकमा बुधवार को गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर जांच, परामर्श और आवश्यक उपचार करेगा। प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है, जानना शेष है।

एहतियात बतौर कराएं स्वास्थ्य जांच

वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. सी.के. मिश्रा का कहना है कि अच्छी तरह से पका हुआ संक्रमित मांस खाने से रेबीज की संभावना नहीं रहती है, क्योंकि वायरस गर्मी में नष्ट हो जाता है। इसके बाद भी जन स्वास्थ्य को देखते हुए जिन ग्रामीणों ने संभावित संक्रमित कुत्ते के द्वारा काटे गए बकरे के मांस का भक्षण किया है, उन्हें एहतियात बतौर अपने स्वास्थ्य का जांच कराना चाहिए और जरूरत पड़ने पर वैक्सीन लगवाना चाहिए।

बिना जिम और सप्लीमेंट के 45 की उम्र में ऐसा शरीर

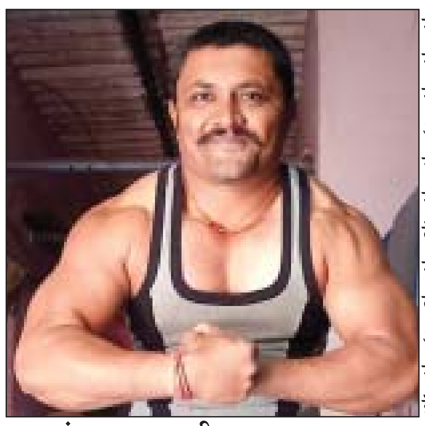

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। आज के दौर में जहां युवा जिम और महंगे सप्लीमेंट के सहारे फिटनेस पाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम बरौधी निवासी विपुल सिंह, पिता कौशल किशोर सिंह 45 वर्ष अपनी मेहनत, अनुशासन और सादगी भरी जीवनशैली से एक मिसाल बनकर सामने आए हैं। बिना जिम गए और बिना किसी भी प्रोटीन या अन्य सप्लीमेंट के सेवन किए विपुल सिंह ने ऐसा सुदृढ़ और आकर्षक शरीर बनाया है, जो आज के युवाओं को हैरान कर देता है। विपुल सिंह बताते हैं कि वे महज 9 वर्ष की उम्र से ही शारीरिक श्रम करते आ रहे हैं। बचपन से ही मेहनत और अनुशासन उनकी दिनचर्या का हिस्सा रहा है, उनकी फिटनेस का राज नियमित शारीरिक श्रम, सुबह-शाम की सैर, देशी कसरत, संतुलित भोजन और अनुशासित जीवनशैली है। वे रोजाना अपने दैनिक कार्यों के साथ पुश-अप्स, दंड-बैठक, दौड़ और योग जैसी गतिविधियां करते हैं तथा ताजे और घरेलू भोजन को ही प्राथमिकता देते हैं। 45 वर्ष की उम्र में भी उनकी फुर्ती, ताकत और ऊर्जा युवाओं को प्रेरित करती है। गांव के लोग उन्हें फिटनेस के लिए रोल मॉडल मानते हैं और युवा उनसे मार्गदर्शन भी लेते हैं। विपुल सिंह का मानना है कि अच्छी सेहत के लिए महंगे साधनों की नहीं, बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति, निरंतर मेहनत और सादगी भरे जीवन की जरूरत होती है। उनकी यह उपलब्धि न सिर्फ बरौधी गांव बल्कि आसपास के पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत है।

होली क्रॉस कान्वेंट के रासेयो शिविरार्थियों के बीच हुई बौद्धिक परिचर्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवा बिहान नशामुक्ति जागरुकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के द्वारा होली क्रॉस कान्वेंट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर के बीच ग्राम ठाकुरपुर में बौद्धिक परिचर्चा का आयोजन किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में किए गए इस आयोजन में शिविरार्थियों को नशामुक्ति, यातायात, साइबर अपराध और इससे सुरक्षा, माहवारी स्वच्छता एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी जानकारी दी गई। इस मौके पर नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान के संयोजक मंगल पाण्डेय ने नशा, नशे की लत लगने के कारण, नशा के प्रकार और इसके प्रभाव, लक्षण, नशे की लत से बचने के उपाय पर प्रकाश डाला। नवा बिहान के काउंसलर संतोष दास सरल ने शिविरार्थी छात्राओं को कैरियर गाइडेंस के संबंध में मार्गदर्शन किया, साथ ही अपनी स्वरचित कविता सबले सुघर एदे हमर सरगुजा की प्रस्तुति दी। समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा ने छात्राओं को कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए रोचक ढंग से परिचय सत्र का संचालन किया, जिससे छात्राओं में रूचि एवं नई उर्जा का संचार हुआ। साथ ही व्यक्तित्व विकास विषय पर चर्चा करते हुए स्व-मूल्यांकन करने पर जोर दिया एवं लक्ष्य निर्धारित कर सकारात्मक एवं सही दिशा में हस्तक्षेप करने का सुझाव दिया। छत्तीसगढ़ के पैड मैन युवा समाजसेवी अंचल ओझा के द्वारा माहवारी स्वच्छता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। समाज सेविका हिना खान ने अपने उद्बोधन में साइबर फ्रॉड, साइबर अपराध, साइबर अपराध से सुरक्षा तथा यातायात के प्रावधानों के संबंध में प्रकाश डाला। युवा समाज सेविका सुनिधि शुक्ला ने संवाद कौशल एवं नेतृत्व विकास पर सारगर्भिक बातें कही। कार्यक्रम का संचालन छात्रा स्नेहा गुप्ता ने और प्रीति एक्का कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने अतिथि वक्ताओं, सहभागी सदस्यों एवं ग्रामीण समुदाय का आभार व्यक्त किया गया।

मोटरसायकल की ठोकर से घायल युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोटरसायकल की ठोकर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक गढ़वा जिले के नमना थाना अंतर्गत ग्राम सिलीदाग निवासी शिवम कुमार देव पिता संजय कुमार सिंह 20 वर्ष, अपने ठेकेदार जीजा प्रेमजीत सिंह के साथ लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सलका, पलका में चल रहे पाइप लाइन विस्तार के काम को देखने के लिए गया था। यहां सड़क के किनारे 4-5 लोग खड़े थे, इसी दौरान उदयपुर की ओर से आ रहा बाइक क्रमांक सीजी 15 डीएम 4115 में सवार एक व्यक्ति पीछे से शिवम को ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। घायल अवस्था में उसे उदयपुर स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 29 दिसम्बर की रात 8.50 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। नवयुवक की मौत से स्वजन सदमे में हैं।

सरगुजा ओलम्पिक खेल में हिस्सा लेने 12 जनवरी तक पंजीयन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेल एवं युवा कल्याण के सहायक संचालक ने बताया सरगुजा ओलंपिक खेलों का आयोजन किया जाना है, इस हेतु ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन पंजीयन 12 जनवरी 2026 तक कराया जा सकता है। प्रतियोगिता तीन चरण में विकासखण्ड स्तरीय, जिला स्तरीय एवं संभाग स्तरीय होगी। विकासखण्ड स्तर पर पंजीयन हेतु इच्छुक व्यक्ति लिंक में अथवा ऑफलाइन विकासखण्ड शिक्षा कार्यालय, जनपद कार्यालय, नगर पंचायत अथवा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला कार्यालय में पंजीयन करा सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीयन अनिवार्य है। विकासखण्ड स्तर पर एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, गोला फेंक, भाला फेंक, तवा फेंक, लम्बी कूद, ऊंची कूद, रिले रेस, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराटे, कबड्डी, खो-खो, व्हालीबॉल, बास्केटबाल आयोजित होंगे। हॉकी एवं कुश्ती के खिलाड़ी सीधे जिला स्तर पर प्रतिभागी होंगे। विकासखण्ड स्तर पर खेलों का आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायतों के द्वारा किया जाएगा। प्रतियोगिता में पहला आयु वर्ग 14 से 17 वर्ष बालक, बालिका एवं दूसरा आयु वर्ग 17 वर्ष से अधिक महिला, पुरुष होंगे। विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन संबंधी जानकारी संबंधित विकासखण्ड के जनपद कार्यालय, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं नगर पंचायत के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जानकारी सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग सरगुजा के जिला कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

प्रत्येक माह की 7 तारीख को रोजगार दिवस के साथ मनेगा आवास दिवस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में हर माह की 7 तारीख को सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस के साथ आवास दिवस भी मनाया जाएगा, जिससे प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के क्रियान्वयन में मजबूती आएगी। योजना से संबंधित समस्याओं का निराकरण होगा। चावल उत्सव के साथ प्रत्येक माह की सात तारीख को रोजगार दिवस एवं आवास दिवस आयोजित होगा। सीईओ ने इस संबंध में सभी जनपद पंचायतों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसमें आवास दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों में हितग्राहियों की सूची का वाचन, 90 दिवस के संबंध में जानकारी, शीघ्र आवास पूर्ण करने वाले हितग्राहियों का सम्मान, लंबित किश्तों का त्वरित हस्तांतरण, मनरेगा की मजदूरी भुगतान की चर्चा, आवास में आ रही समस्याओं का निदान, सामग्री की उपलब्धता, आवास की गुणवत्ता तथा उससे संबंधित तकनीकी बिन्दुओं की जानकारी आदि एवं लाभार्थियों की समस्याओं के निदान हेतु टोल फ्री नंबर 1800-232-1290 के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं। आवास दिवस का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के आवास में आने वाली समस्याओं को दूर करना तथा आवास हितग्राहियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना जिससे आवास निर्माण कार्य में गति आए।

'आपका पूंजी-आपका अधिकार' अभियान के तहत दावा शिविर संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग द्वारा 'आपका पूंजी आपका अधिकार' योजनान्तर्गत हितग्राहियों के एवं शासकीय विभागों के 10 वर्ष से अधिक लेन-देन नहीं हुए बैंक खातों की जमा राशि, खातों को ऑपरेटिव कराने के उपरांत हितग्राहियों को राशि सौंपा जाएगा। इसके अलावा शासकीय विभागों की राशि को शासन के खाते में जमा कराकर नॉन आपरेटिव खातों को ऑपरेटिव करा कर यदि योजना संचालित हो तो उपयोग किए जाने एवं योजना बंद होने की स्थिति में शासन के खाते में राशि जमा किया जाना है। इस संबंध में 29 दिसम्बर को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित कैम्प में जिले के सभी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। कैम्प अंतर्गत 04 हितग्राहियों अजीत मंडल, अमरावती, मोहम्मद मिर्जा अहमद एवं गीता के प्रकरणों का निराकरण कर राशि रुपये 915133 का सर्टिफिकेट दिया गया। इसी कड़ी में शासकीय विभागों के 11 खातों का निराकरण कर रुपये 20766133 शासकीय खाते में जमा किया गया। कैम्प कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ, जिसमें महाप्रबंधक आरबीआई रायपुर, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी, प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख तथा सभी बैंकों के प्रतिनिधि व सहायक कोषालय अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 12 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खाद्य अधिकारी ने बताया कि नगर पालिक निगम अंबिकापुर अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु पात्र संस्था, एजेन्सी को आबंटित किया जाना है, जिसमें शासकीय उचित मूल्य दुकान नमनाकला वार्ड क्रमांक 14 आई.डी. 391001048, मंगल पाण्डेय वार्ड क्रमांक 13 आई.डी. 391001005, डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड क्रमांक 45 आई.डी. 391001072, महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्रमांक 04 आई.डी. 391001004, स्वामी विवेकानंद वार्ड क्रमांक 35 आई.डी. 391001010, शीतला वार्ड क्रमांक 32 आई.डी. 391001030, पटपरिया वार्ड क्रमांक 11 आई.डी. 391001037 एवं लरंग साय वार्ड क्रमांक 24 आई.डी. 391001071 संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन शासकीय उचित मूल्य दुकानों के नवीन आबंटन के संचालन हेतु इच्छुक पात्र एजेन्सी अपना आवेदन पत्र विहित प्रारूप में संपूर्ण विवरण एवं दस्तावेज की सत्यापित छायाप्रति के साथ 12 जनवरी 2026 तक कार्यालय कलेक्टर खाद्य शाखा में जमा कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर